महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

आरोग्य धाम, बालापार रोड, सोनबरसा, गोरखपुर-273007 (उ.प्र.)

सेवा पथ

मासिक ई-पत्रिका

• वर्ष – 2 • अंक – 9 • अप्रैल, 2024

- University Email-mguniversitygkp@mgug.ac.in
- NSS Email-coordinator.nss@mgug.ac.in
- University Website-www.mgug.ac.in
- NCC Email-ncc@mgug.ac.in

Arogya Dham, Balapar Road, Sonbarsa, Gorakhpur-273007 (U.P.) | coordinator.nss@mgug.ac.in | www.mgug.ac.in

सम्पादक

डॉ. अखिलेश कुमार दूबे

सहायक आचार्य (सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय)

कार्यक्रम समन्वयक, राष्ट्रीय सेवा योजना

सम्पादक मण्डल

डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव

सहायक आचार्य (सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय)

एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर

डॉ. विकाश कुमार यादव

सहायक आचार्य (कृषि संकाय)

कार्यक्रम अधिकारी, राष्ट्रीय सेवा योजना

श्री धनंजय पाण्डेय

शिक्षक (सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय)

कार्यक्रम अधिकारी, राष्ट्रीय सेवा योजना

ग्राफिक्स एवं डिजाइन

श्री शारदानन्द पाण्डेय

राष्ट्रीय सेवा योजना

विश्वविद्यालय संगठन

कुलपति : मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेई
कुलसचिव : डॉ. प्रदीप कुमार राव
कार्यक्रम समन्वयक : डॉ. अखिलेश कुमार दूबे

इकाई एवं कार्यक्रम अधिकारी

इकाई सं0	इकाई कोड	इकाई का नाम	कार्यक्रम अधिकारी का नाम
1	UP-80/001/24/001	पारिजात इकाई	डॉ. विकाश कुमार यादव
2	UP-80/002/24/101	अष्टवक्र इकाई	,,
3	UP-80/003/24/201	आर्यभट्ट इकाई	श्री धनन्जय पाण्डेय
4	UP-80/004/24/301	माता सबरी इकाई	सुश्री शिवांगी दूबे
5	UP-80/005/24/401	नचिकेता इकाई	कुंवर अभिनव सिंह राठौर
6	UP-80/006/24/501	माता अनुसूइया इकाई	सुश्री ऐमन खान
7	UP-80/007/24/601	गार्गी इकाई	सुश्री कविता साहनी
8	UP-80/008/24/701	मैत्रयी इकाई	सुश्री प्रिया सिंह

राष्ट्रीय कैडेट कोर

102 यू.पी. एन.सी.सी. बटालियन, गोरखपुर

एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर : डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव

‘सेवा पथ’

‘सेवा पथ’ एक मासिक ई–पत्रिका है, जिसका प्रकाशन महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में संचालित **‘राष्ट्रीय सेवा योजना’** एवं **‘राष्ट्रीय कैडट कोर’** के द्वारा विश्वविद्यालय परिसर एवं विश्वविद्यालय के बाहर दिए जा रहे योगदान, सामाजिक सेवा, समाज के उत्थान हेतु किए जा रहे कार्यों इत्यादि का संकलन किया गया है। **‘सेवा पथ’** मासिक ई–पत्रिका का **प्रथम संस्करण** माह **अगस्त 2023** में प्रकाशित किया गया था, जिसमें केवल **‘राष्ट्रीय सेवा योजना’** द्वारा किए गए सामाजिक कार्यो एवं क्रियाकलापों को संकलन किया गया था। किन्तु आगे की कड़ी में बढ़ते हुए इस माह की मासिक ई–पात्रिक के **‘चतुर्थ संस्करण’** में राष्ट्रीय सेवा योजना के साथ–साथ राष्ट्रीय कैडट कोर की इकाई के द्वारा किए जा रहे गतिविधियों को भी शामिल किया जा रहा है।

इस मासिक ई–पत्रिका का नाम **‘सेवा पथ’** शब्द सामाजिक सेवा और सामाजिक उत्कृष्टता की प्रवृत्ति की ओर केन्द्रित है। यह एक व्यक्ति या समूह का उद्दीपन करता है जो समाज में सेवा करने के लिए समर्पित है। **‘सेवा पथ’** का आशय है कि व्यक्ति या समूह अपने कौशल, समर्पण की भावना से समाज की सेवा करें व दूसरों को भी सेवा करने के लिए उद्दीपित करता रहे। व्यक्ति या समूह जो सेवा पथ पर होता है, वे सामाजिक समस्याओं की पहचान करने के साथ–साथ समाधान ढूंढने और उन्हें सुलझाने में योगदान करता है। सामाजिक सेवा के माध्यम से, सेवा पथ से जुड़े व्यक्ति या समूह समृद्धि, समर्पण और सामाजिक न्याय की ओर प्रबल कदम बढ़ाता है।

इस तरह **‘सेवा पथ’** एक मार्गदर्शक शब्द है जो सेवा और समृद्धि की दिशा में अग्रसर होने के लिए सभी को प्रेरित करता है।

राष्ट्रीय सेवा योजना एक नजर में...

भारत में राष्ट्रीय सेवा योजना के द्वारा छात्रों का प्रथम कर्तव्य उनके अध्ययन की अवधि को केवल बौद्धिक ज्ञान तक ही सीमित न रखकर स्वयं को ऐसे व्यक्तियों की सेवा में समर्पित करना है जिन्हें राष्ट्र की वस्तुओं और सेवाओं की आवश्यकता हो और उन्हें हमारे देश की आवश्यक वस्तुएं प्रदान की जा सके, जो कि समाज के लिए अतिआवश्यक है।

स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् डॉ. राधाकृष्णन की अध्यक्षता में स्वैच्छिक आधार पर शैक्षिक संस्थाओं में **''राष्ट्रीय सेवा''** आरम्भ करने की सिफारिश की गयी थी। सन् 1959 में शिक्षा मंत्री के सम्मेलन के समक्ष योजना का एक मसौदा रखा गया। इस दिशा में सटीक सुझाव देने के लिए **28 अगस्त, 1959** को **डॉ. सी. डी. देशमुख** की अध्यक्षता में एक **''राष्ट्रीय सेवा समिति''** का गठन किया गया।

सन् 1960 में भारत सरकार की पहलता पर प्रो. के.जी. सैय्यदेन ने विश्व के कई देशों में छात्रों द्वारा क्रियान्वित **''राष्ट्रीय सेवा''** का अध्ययन किया और कई सिफारिशों के साथ सरकार को युवाओं के लिए **''राष्ट्रीय सेवा''** शीर्षक के तहत अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की। डॉ. डी.एस. कोठारी (1964–66) की अध्यक्षता में शिक्षा आयोग ने यह सिफारिश दी की शिक्षा के सभी स्तरों पर छात्रों को सामाजिक सेवा के किसी रूप से जोड़ा जाना चाहिए। इस पर अप्रैल, 1967 में राज्य शिक्षा मंत्री द्वारा उनके सम्मेलन के दौरान विचार किया गया की **''राष्ट्रीय सेवा योजना''** (एन.एस.एस.) नामक एक नया कार्यक्रम प्रदान किया जा सकता है। सितम्बर, 1969 में सभी विश्वविद्यालयों के कुलपति के सम्मेलन में इस सिफारिश का स्वागत किया गया।

मई. 1969 में शिक्षा मंत्रालय तथा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा संचालित विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षा संस्थाओं के छात्र प्रतिनिधियों के सम्मेलन में घोषणा की गई कि **''राष्ट्रीय सेवा योजना''** राष्ट्रीय एकता के लिए सशक्त माध्यम हो सकती है। 24 सितम्बर, 1969 को तत्कालीन शिक्षामंत्री डॉ. वी.के. आर.वी. राव ने सभी राज्यों को शामिल करते हुए 37 विश्वविद्यालयों में **''राष्ट्रीय सेवा योजना''** (एन.एस.एस.) कार्यक्रम आरंभ किया। जिसका प्रथम उद्देश्य विद्यार्थियों में स्वैच्छिक सामुदायिक सेवा के माध्यम से उनके व्यक्तित्व और चरित्र का विकास करना ही नही अपितु **'सेवा के माध्यम से शिक्षा देना'** ही राष्ट्रीय सेवा योजना का मुख्य उद्देश्य है।

आज राष्ट्रीय सेवा योजना विश्व भर में राष्ट्रीय विकास, सेवा, शांति, राष्ट्र निर्माण की दिशा में कार्य करने वाले छात्र समूह की सबसे बड़े रचनात्मक संगठन के रूप में हमारे सामने है। राष्ट्रीय सेवा योजना ने अपने गौरवशाली वर्षों में युवा जागरुकता, राष्ट्र निर्माण और विश्व शांति के लिए अनेकानेक कार्यक्रमों के साथ अपनी पहचान बनाई है। ऐसे महान संगठन में आपका स्वागत है।

आइए! हम सब मिलकर एक समृद्ध राष्ट्र, एक विकसित राष्ट्र, एक जागृत राष्ट्र के निर्माण में अपना योगदान दें।

जय हिंद, जय भारत।

कार्ययोजना

राष्ट्रीय सेवा योजना विद्यार्थियों को सृजनात्मक एवं रचनात्मक कार्यों के प्रति प्रेरित कर समाज सेवा का अवसर प्रदान कर उनके व्यक्तित्व को निखारने एवं भविष्य में उन्हें कर्त्तव्यनिष्ठ, संवेदनशील तथा उपयोगी नागरिक के रूप में सवारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। राष्ट्रीय सेवा योजना से प्राप्त प्रमाण–पत्र स्वयं सेवकों के अच्छे भविष्य के निर्माण में सहायक हैं। विद्यार्थी शासकीय तथा गैर शासकीय सेवाओं में इन प्रमाण–पत्रों का प्रयोग कर सकते हैं। उच्चतर कक्षाओं के विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश के समय राष्ट्रीय सेवा योजना प्रमाण–पत्र धारक छात्रों को अतिरिक्त बोनस अंक भी दिये जाते हैं।

राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत दो प्रकार के कार्यक्रमों का संचालन होते हैं :–

1. सामान्य कार्यक्रम 2. विशेष शिविर कार्यक्रम

1.सामान्य कार्यक्रम :–

सामान्य कार्यक्रम के अन्तर्गत **'राष्ट्रीय सेवा योजना'** में पंजीकृत प्रत्येक विद्यार्थी को स्वयं सेवक के रूप में एक वर्ष में कम से कम 120 घंटे का समाज सेवा कार्य करना पड़ता है और दो वर्ष की अवधि में अर्थात् 240 घंटे का समाज सेवा कार्य पूरा करने पर उसे विश्वविद्यालय / महाविद्यालय से प्रमाण पत्र दिया जाता है।

2. विशेष शिविर कार्यक्रमः–

राष्ट्रीय सेवा योजना की प्रत्येक इकाई द्वारा वर्ष में एक दस दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया जाता है। शिविर विश्वविद्यालय महाविद्यालय के निकट किसी ग्राम में लगाया जाता है। विशेष शिविर में शिविर अनुभव भी अपना एक विशेष महत्व रखता है। इसमें भाग लेने वाले प्रतिभागी शिविर जीवन का अनुभव प्राप्त करते हैं तथा एक अच्छे नागरिक के कर्त्तव्य का पालन एवं समाज के लिए वे क्या सेवा कर सकते हैं इसका ज्ञान प्राप्त करते हैं। राष्ट्रीय सेवा योजना की विभिन्न इकाईयों द्वारा स्थानीय आवश्यकताओं स्त्रोतों और कुशल व्यक्तियों को देखते हुए विविध प्रकार के कार्यक्रम अभिग्रहित क्षेत्रों में लिए जा सकते हैं। इसके अतिरिक्त विद्यार्थीगण अन्य क्षेत्रों में भी कार्य के लिए स्वतंत्र होंगे।

राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत निम्नलिखित गतिविधियाँ होती हैं–

- शिक्षा एवं मनोरंजन इसके अन्तर्गत साक्षरता, स्कूली शिक्षा पाठशाला छोड़ने वाले बच्चों की शिक्षा बालगृहों में कार्यशाला प्रवेश कार्यक्रम सांस्कृतिक गतिविधियाँ ग्रामीण एवं देशी खेलकूद सामाजिक बुराईयों के उन्मूलन पर चर्चाएं एवं जागरूकता के कार्यक्रमों का आयोजन मुख्य है।

- आपातकाल के कार्यक्रम विद्यार्थियों को प्रमुख रूप से लोगों को उनकी असहायता पर काबू पाने योग्य बनाने के लिए उनके साथ मिलकर कार्य करने सम्बन्धी कार्यक्रमों पर जोर देना चाहिए। इसके अलावा प्राकृतिक विपदाओं जैसे– भूकम्प, बाढ, तूफान आदि के आने पर सहायता और पुन्रर्वास कार्यो में स्थानीय लोगों अधिकारियों संस्थाओं को सहयोग देना प्रमुख हैं।

- पर्यावरण संवर्धन एवं परिक्षण ऐतिहासिक स्मारकों पुरावशेषों व अन्य सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण एवं उनके प्रति चेतना पैदा करना पर्यावरण के प्रति समाज में चेतना जागृत करना वृक्षारोपण उनका बचाव और अनुरक्षण स्वच्छता के लिए सड़कों गलियों नालियों तालाबों पोखरों कुओं आदि की सफाई भूमि क्षरण की रोकथाम तथा भूमि सुधार गोबर गैस संयत्र सौर ऊर्जा के प्रयोग का प्रचार करना।

- स्वास्थ्य, परिवार, कल्याण और आहार पोषण कार्यक्रम, टीकाकरण, रक्तदान, स्वास्थ्य शिक्षा और प्राथमिक स्वास्थ्य की देखभाल जनसंख्या शिक्षा और परिवार कल्याण रोगियों अनाथों वृद्धों की सहायता स्वच्छ पेयजल के प्रदाय की व्यवस्था एकीकृत बाल विकास तथा पौष्टिक आहार कार्यक्रमों का संचालन करना।

- महिलाओं के स्तर सुधार के कार्यक्रम महिलाओं की शिक्षा तथा उन्हें अपने संवैधानिक और कानूनी अधिकारों के प्रति सचेत करना उनके सशक्तीकरण के उपाय सुझाना उन्हें आत्मनिर्भर बनाने हेतु विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण आदि कार्यक्रम संचालित करना।

- उत्पादनोन्मुखी कार्यक्रम उन्नत कृषि के तरीकों की जानकारी कीट व खरपतवार नियंत्रण भूमि परिक्षण एवं उपजाऊपन की देखभाल कृषि यंत्रों की देखभाल सहकारी समितियों के सुदृढ़ीकरण और उनके प्रोत्साहन के लिए फार्म पशु पालन कुक्कुट पालन पशु स्वास्थ्य के बारे में सहायता एवं मार्गदर्शन कृषि तकनीकों के प्रयोग के प्रति जागरूकता पैदा करना आदि।

- अन्य गतिविधियाँ जो स्थानीय आवश्यकताओं एवं प्राथमिकताओं के आधार पर की जाएँ।

एनसीसी देश की सेकेंड लाइन ऑफ डिफेंस है। अकादमिक स्तर पर विद्यार्थियों को सैन्य प्रशिक्षण देकर राष्ट्र संकल्प की प्रेरणा देता है। एन.सी.सी. का लक्ष्य युवाओं में चरित्र निर्माण, अनुशासन, धर्मनिरपेक्ष दृष्टिकोण, साहस की भावना तथा स्वयं सेवा के आदर्शों को विकसित करना है। साथ ही सशक्त राष्ट्र के निर्माण में युवाओं में नेतृत्व गुणों का विकास करना है। राष्ट्रीय कैडेट कोर युवाओं को सशस्त्र बलों में शामिल एवं प्रेरित करने के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करता है।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय कैडेट कोर की यूनिट जुलाई 2023 में अनुशंसित हुई। कड़ी चयन प्रक्रिया में विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित 102 यूपी बटालियन एनसीसी गोरखपुर के प्रथम सत्र में 36 कैडेट्स का चयन किया गया। कुशल संचालन के लिए ए.एन.ओ. डॉ. हरी कृष्ण एवं सी.टी.ओ. डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव को कैडेट्स के प्रशिक्षण एवं विविध गतिविधियों के संचालन का दायित्व प्रदान किया गया है जिनके कुशल मार्गदर्शन कैडेट्स सैन्य प्रशिक्षण का अभ्यास कर रहे हैं ।

कैडेट्स राष्ट्रीय कैडेट्स कोर के मूल संकल्प एकता और अनुशासन के साथ अखंड भारत के संकल्प को पूर्ण करने का सौभाग्य ग्रहण कर रहे है। राष्ट्रीय कैडेट कोर ने स्कूली शिक्षा से विद्यार्थियों को सैन्य सेवा के लिए तैयार करने का चुनौती पूर्ण कार्य किया है। एनसीसी का अहम लक्ष्य शिक्षा के साथ युवाओं को सैन्य अनुशासन का अभ्यास कराके देश की रक्षार्थ प्रेरणा देना है।

राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) भारतीय सैन्य कैडेट कोर है जिसका मुख्यालय नई दिल्ली में है। यह एक स्वैच्छिक संस्था है जो पूरे भारत के स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों से कैडेटों की भर्ती करती है। कैडेटों को परेड एवं छोटे हथियार चलाने का बुनियादी सैन्य प्रशिक्षण दिया जाता है। अधिकारियों और कैडेटों को पाठ्यक्रम पूरा करने पर सक्रिय सैन्य सेवा में जाने की कोई बाध्यता नहीं होती है, किन्तु एनसीसी के क्षेत्र में प्राप्त उपलब्धियों के आधार पर उन्हें चयन के समय सामान्य अभ्यर्थियों की अपेक्षा वरीयता दी जाती है।

राष्ट्रीय कैडेट कोर थल सेना, नौसेना और वायुसेना के सम्मिलन वाला एक त्रिसेवा संगठन है जो देश के युवाओं को संवार कर अनुशासित और देशभक्त नागरिकों में ढाल देता है। एनसीसी की उत्पत्ति को यूनिवर्सिटी कोर के साथ जोड़ा जा सकता है जिसकी स्थापना भारतीय रक्षा अधिनियम 1917 के तहत थल सेना में सैनिकों की कमी को पूरा करने के लिए की गई थी। 1920 में जब भारतीय प्रादेशिक अधिनियम पारित किया गया तो इस यूनिवर्सिटी कोर को यूनिवर्सिटी ट्रेनिंग कोर (UTC) में बदल दिया गया। इसका उद्देश्य यूटीसी की स्थिति सुधारना और इसे युवाओं के लिए अधिक आकर्षक बनाना था। यूटीसी अधिकारी और कैडेट सेना जैसी वर्दी पहनते थे। यह सशस्त्र सेनाओं के भारतीयकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था। 1942 में यूटीसी का नाम बदलकर यूनिवर्सिटी ऑफिसर्स ट्रेनिंग कोर (UOTC) रखा गया।

एनसीसी भारत में नेशनल कैडेट कोर एक्ट, 1948 द्वारा गठित किया गया। इसकी स्थापना 15 जुलाई, 1948 को हुई। एनसीसी को यूओटीसी का उत्तराधिकारी माना जा सकता है जिसकी स्थापना ब्रिटिश सरकार द्वारा 1942 में की गई थी। स्वतंत्र भारत में युद्ध और शांति के समय युवाओं को सैन्य अकादमिक

प्रशिक्षण देकर राष्ट्र सेवा के लिए संकल्पित करना था। पंडित हृदयनाथ कुंजरू की अध्यक्षता में स्कूलों व कॉलेजों में राष्ट्रीय स्तर के एक कैडेट संगठन की स्थापना की सिफारिश की। 15 जुलाई, 1948 को राष्ट्रीय कैडेट कोर एक्ट गवर्नर जनरल द्वारा स्वीकार कर लिया गया और इसके साथ ही राष्ट्रीय कैडेट कोर अस्तित्व में आया।

पाकिस्तान के साथ 1965 और 1971 के युद्धों में एनसीसी कैडेट रक्षा की दूसरी पंक्ति में थे। उन्होंने आयुध निर्माणियों की मदद के लिए शिविर आयोजित किये, युद्धस्थल पर हथियार और गोला–बारूद पहुँचाए और शत्रु सेना के पैराट्रूपर्स को पकड़ने वाले गश्ती दलों की तरह कार्य किया। एनसीसी कैडेटों ने नागरिक सुरक्षा अधिकारियों के साथ कधे से कंधा मिलाकर कार्य किया और सक्रिय रूप से बचाव कार्य और यातायात नियंत्रण में भाग लिया। 1965 और 1971 के भारत.पाक युद्धों के पश्चात एनसीसी के पाठ्यक्रम में संशोधन किये गए। केवल रक्षा की द्वितीय पंक्ति होने के बजाय अब इसमें नेतृत्व के गुणों और अधिकारियों जैसे गुणों के विकास पर अधिक बल दिया जाने लगा।

कोर की शुरुआत वरिष्ठ वर्ग के 32.500 और कनिष्ठ वर्ग के 1,35,000 कैडेटों के साथ हुई थी। तब से यह बहुत तेजी से बढ़ी है और अधिकृत कैडेट संख्या अब 1420 लाख तक पहुँच चुकी है। हालांकि यह संख्या अपने आप में काफी महत्वपूर्ण है, फिर भी यह देश के भर्ती योग्य विद्यार्थियों की संख्या का लगभग केवल 3.5 प्रतिशत ही है। एनसीसी की 814 इकाइयों का जाल 4829 कॉलेजों और 12545 विद्यालयों द्वारा संपूर्ण भारत में फैला हुआ है।

एनसीसी को अंतर्सेवा छवि तब प्राप्त हुई जब 1950 में इसमें वायु स्कंध और 1952 में नौसेना स्कंध को भी जोड़ा गया। स्कूल के विद्यार्थियों (कनिष्ठ वर्ग) को प्राथमिक सैन्य प्रशिक्षण दिया जाता था जबकि कॉलेज के विद्यार्थियों (वरिष्ठ वर्ग) को सशस्त्र सेना के संभावित अधिकारी के रूप में प्रशिक्षित किया जाता था। इस प्रयोजन हेतु आर्मर्ड कोर, आर्टिलरी, इजीनियर्स, सिग्नल्स, इफैंटरी और मेडिकल कोर की इकाइयों की स्थापना एनसीसी में की गई।

1960 तक, संपूर्ण भारत के स्कूल–कॉलेजों में एनसीसी की इकाइयों की माँग बहुत बढ़ गई थी। इस बढ़ती हुई माँग को पूरा करने के लिए राष्ट्रीय कैडेट कोर राइफल्स (NCCR) की स्थापना की गई। 1962 के चीन के आक्रमण के बाद संपूर्ण देश में एनसीसी को अनिवार्य बना देने की माँग उठी। फलस्वरूप 1963 में कॉलेज के प्रथम तीन वर्षों में 16 से 25 वर्ष की आयु के सभी सक्षम शरीर वाले युवाओं के लिए एनसीसी प्रशिक्षण अनिवार्य कर दिया गया।

1986 में भारत सरकार ने थपन समिति को एनसीसी के लक्ष्यों और उद्देश्यों के संदर्भ में इसके कामकाज का पुर्नमूल्यांकन करने के आदेश दिये। लेफ्टिनेंटे जनरल (रिटायर्ड) एम. एल. थपन (PVC) की अध्यक्षता वाली इस समिति ने अपनी रिपोर्ट जून, 1988 में पेश की। थपन समिति के सुझावों के अनुरूप सरकार ने 1992 में एनसीसी के लक्ष्यों को संशोधित रूप में अनुमोदित किया। जो निम्नवत है–

(i) देश के युवाओं में चरित्र, साहस, भाई–चारे, अनुशासन, नेतृत्व धर्मनिरपेक्ष दृष्टिकोण, साहसिक अभियानो, खेल भावना और निःस्वार्थ सेवा के आदर्शों एवं गुणों का विकास करना जिससे कि वे उपयोगी नागरिक बन सकें।

(ii) संगठित, प्रशिक्षित और प्रेरित युवाओं के एक मानव संसाधन का निर्माण करना जो कि सशस्त्र बलों के साथ.साथ जीवन के सभी क्षेत्रों में नेतृत्व प्रदान कर सके और हमेशा देश की सेवा के लिए तत्पर रहें।

रक्षा मंत्रालय द्वारा मार्च 2001 में अनुमोदित किये गए एनसीसी के लक्ष्य इस प्रकार है (1) देश के युवाओं के चरित्र भाई–चारे अनुशासन, नेतृत्व धर्म–निरपेक्षता के दृष्टिकोण साहसिक अभियानों में रुचि खेल भावना और निःस्वार्थ सेवा भाव को विकसित करना।

(iii) संगठित प्रशिक्षित और प्रेरित युवाओं के एक मानव संसाधन का निर्माण करना जो जीवन के सभी क्षेत्र नेतृत्व प्रदान कर सके और देशसेवा के लिए तत्पर रहें।

(iv)सशस्त्र बलों में अपना कैरियर शुरू करने के लिए युवाओं को प्रेरित करने के से तैयार करना।

एनसीसी का आदर्श वाक्य (Motto)

एकता और अनुशासन (Unity and Discipline)

महानिदेशक के चार आधारभूत सिद्धांत :

1. मुस्कान के साथ आज्ञापालन करो
2. समयनिष्ठ रहो
3. निःसंकोच कठिन परिश्रम करो
4. बहाने मत बनाओ और झूठ मत बोलो

एनसीसी के वर्तमान लक्ष्य :

1. देश के युवाओं के चरित्र, भाई–चारे, अनुशासन, नेतृत्व, धर्म–निरपेक्षता के दृष्टिकोण, साहसिक अभियान में रूचि खेल भावना और निःस्वार्थ सेवा भाव को विकसित करना।
2. संगठित प्रशिक्षित और प्रेरित युवाओं के एक मानव संसाधन का निर्माण करना जो जीवन के सभी क्षेत्रों में नेतृत्व प्रदान कर सके और हमेशा देश सेवा के लिए समर्पित रहें।

शपथ : ''मैं सत्यनिष्ठा से लेता/लेती हूँ कि पूरी सच्चाई और श्रद्धा से अपनी मातृभूमि की सेवा करूँगा/करूँगी और एनसीसी के सभी नियमों और अधिनियमों का पालन करूगाँ/करूँगी। इसके अलावा, अपने कमांडिंग ऑफिसर के आदेश और नियंत्रण के अनुसार प्रत्येक परेड और कैम्प में पूरी शक्ति के साथ हिस्सा लूंगा/लूंगी।''

प्रतिज्ञा : हम राष्ट्रीय कैडेट कोर के कैडेट बडे सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञा करते हैं कि हमेशा भारत की एकता को बनाए रखेंगे। हम संकल्प करते हैं कि हम भारत के अनुशासित और जिम्मेदार नागरिक बनेगे। हम अपने साथी जीवों के हित में निःस्वार्थ भाव से सामुदायिक सेवा करेंगे।

मतदाता जागरूकता विषय पर सम्बोधित करते डॉ. दिलीप मिश्रा

प्रतियोगिता के दौरान अपना वक्तव्य प्रस्तुत करता हुआ छात्र

दिनांकः 02 अप्रैल, 2024। लोकतंत्र के महायज्ञ को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में मतदाता जागरूकता अभियान के द्वितीय चरण का स्लोगन प्रतियोगिता से शुभारंभ हुआ। उच्च शिक्षा विभाग एवं भारत सरकार के निर्वाचन आयोग द्वारा निर्देशित मतदाता जागरूकता प्रतियोगिताओं में आज स्लोगन प्रतियोगिता में युवा मतदाताओं ने सूत्र वाक्य **'वोट जैसा कुछ नही, वोट जरूर डालेंगे हम'** और अपने मत का उपयोग करें सबसे पहले मतदान करें जैसे नए स्लोगन को कैलीग्राफी शैली में लिखकर मतदाताओं को वोट देने के लिए प्रेरित किया।

स्लोगन प्रतियोगिता में 170 युवा मतदाताओं ने 'वोट फॉर श्योर' पर विविध स्लोगन ध्येय शब्द लिखकर शत–प्रतिशत मतदान करने का संकल्प लिया। राष्ट्रीय सेवा योजना के मतदाता जागरूकता अभियान के तहत युवा मतदाताओं को जागरूक करने का प्रयास किया जा रहा है। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के स्वीप नोडल अधिकारी डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में विद्यार्थियों ने लोकतंत्र में वोट के अधिकार पर विविध स्लोगन लिखा। स्वीप नोडल अधिकारी डॉ. संदीप श्रीवास्तव ने कहा कि विश्वविद्यालय में मतदाता दिवस को लेकर विद्यार्थियों में वोट के प्रति उत्साह देखने को मिल रहा है। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय ने कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव जी के कुशल नेतृत्व में शत–प्रतिशत मतदाता के लक्ष्य को पूरा किया है। मतदाता जागरुकता अभियान के प्रथम चरण में शिविर, मतदाता ऑनलाइन पंजीकरण प्रशिक्षण कार्यशाला, मेंहदी, सुलेखन, प्रश्नोत्तरी, मानव श्रृंखला, मतदाता जागरुकता रिल्स, सेल्फी पॉइंट और रैली निकाल कर युवाओं को मत के अधिकार से जोडने का प्रयास किया गया।

प्रतियोगिता में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्यवयक डॉ. अखिलेश दूबे, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. विकास यादव, श्री धनंजय पाण्डेय, श्री अभिनव सिंह राठोर, सुश्री ऐमन, सुश्री कविता साहनी, सुश्री प्रिया सिंह सहित मतदाता साक्षरता क्लब के ब्रांड एम्बेसडर शिवम कुमार पाण्डेय, निलेश कुमार यादव, निर्वाचक योद्धा शिवानी सिंह, सागर जायसवाल, खुशी गुप्ता, सिद्धि सिन्हा, शिवम सिंह, राहुल वर्मा, निकिता श्रीवास्तव, अंकिता तिवारी आदि ने उपस्थित रहें। आयोजन में संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठता प्रो. सुनील कुमार सिंह, प्रो. एस. के. सिंह, डॉ. कुलदीप सिंह, पूजा जायसवाल, प्रवीण कुमार सिंह, अभिषेक सिंह, दिलीप मिश्रा, जूही तिवारी, पियूष आनंद, नंदनी जायसवाल जी का सहयोग रहा।

प्रतियोगिता के दौरान अपने द्वारा बनाए गए स्लोगन के साथ विद्यार्थी

मेंहदी प्रतियोगिता : मतदाता जागरूकता अभियान

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

मेंहदी प्रतियोगिता में प्रतिभाग करती हुई छात्राएं

दिनांकः **05 अप्रैल, 2024** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में भारत सरकार निर्वाचन आयोग एवं उच्च शिक्षा विभाग द्वारा निर्देशित मतदाता जागरूकता अभियान के द्वितीय चरण में मेंहदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें मेंहदी की लालिमा में 'चलो मतदान करें' और 'वोट फॉर श्योर' को केंद्रित कर छात्र–छात्राओं ने मेंहदी से लोकतंत्र की अभिव्यक्ति को सशक्त करने का संकल्प लिया। मेंहदी के चटक रंगो में लोकतंत्र की लालिमा विविध आकृति और अक्षरों से उतर कर निखर गया।

मेंहदी निर्णायक मंडल में सहायक आचार्य डॉ. अनुपमा ओझा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि सशक्त लोकतंत्र के निर्माण में जिम्मेदार नागरिक के रूप में हम सभी को वोट के प्रति सतर्क और जागरूक रहना है। एक–एक वोट से सरकार का निर्माण होता है। मत का अधिकार हमारा मौलिक अधिकार है। 'चलो मतदान करें', इस बार एक भी मतदाता न छूटे इसके लिए भी हमें संकल्पित होकर जन जन को जागरूक करना है। निर्णायक मंडल की श्रीमती जूही तिवारी ने मेंहदी प्रतियोगिता के प्रतिभागियों को जागरूक करते हुए कहा कि लोकतंत्र के त्यौहार में मतदाता बनकर अच्छी सरकार चुनने का अधिकार आप सभी को मिल रहा है। युवा मतदाता के रूप में आपकी जिम्मेदारी महत्वपूर्ण है। चाय की टेबल से लेकर गांव की चौपाल तक जन–जन को मतदान के प्रति जागरूक करना है।

मतदाता जागरूकता अभियान के अंतर्गत आयोजित मेंहदी प्रतियोगिता में युवा मतदाताओं ने जन–जन को मतदान के प्रति जागरूक करने का संकल्प लिया। लोकतंत्र के महायज्ञ को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से युवा मतदाताओं ने सूत्र वाक्य 'वोट जैसा कुछ नहीं, वोट जरूर डालेंगे हम' और 'अपने मत का उपयोग करें सबसे पहले मतदान करें' पर मेंहदी को अलंकृत कर मतदाताओं को वोट देने के लिए प्रेरित किया। निर्णायक मंडल ने उत्कृष्ठ मेंहदी का तकनीकी मूल्यांकन कर प्रथम स्थान गरिमा सिंह, द्वितीय अंकिता, तृतीय स्थान मोहनी चौहान, सांत्वना–श्रुति सोनकर, श्वेता सिंह, अंशिका सिंह को श्रेष्ठता क्रम में चयनित किया गया। प्रतियोगिता में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. विकास यादव, श्री धनंजय पाण्डेय, श्री अभिनव सिंह राठौर, छात्र संघ अध्यक्ष रंजीत शर्मा, मतदाता साक्षरता क्लब के ब्रांड एम्बेसडर शिवम कुमार पाण्डेय, निलेश कुमार यादव, निर्वाचक योद्धा शिवानी सिंह, सागर जायसवाल, खुशी गुप्ता, सिद्धि सिन्हा, शिवम सिंह, राहुल वर्मा, निकिता श्रीवास्तव, अंकिता तिवारी आदि ने युवा मतदाताओं को जागरूक किया। आयोजन में प्रो. एस. के. सिंह, डॉ. विमल दूबे, डॉ. कुलदीप सिंह, पूजा जायसवाल, प्रवीण कुमार सिंह, अभिषेक सिंह, दिलीप मिश्रा, जूही तिवारी, पियूष आनंद, नंदनी जायसवाल जी का सहयोग रहा।

प्रतियोगिता के दौरान अपने हाथों पर बनाई गई मेंहदी प्रस्तुत करते छात्राएं साथ प्राध्यापकगण

भारत सरकार

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय

राष्ट्रीय सेवा योजना

(उच्च शिक्षा विभाग) उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ

के तत्वावधान में

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

में आयोजित शहीदी दिवस के अवसर पर

एक दिवसीय कार्यशाला

स्वच्छता एवं मतदाता जागरूकता

तिथि : 09 अप्रैल, 2024, दिन-मंगलवार

चैत्र शुक्ल, प्रथम, वि.सं. 2080

आरोग्य धाम, बालापार रोड, सोनबरसा,
गोरखपुर – 273007 (उ.प्र.)

mguniversitygkp@mgug.ac.in
www.mgug.ac.in

एक दिवसीय कार्यशाला

भारत सरकार

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय

राष्ट्रीय सेवा योजना (उच्च शिक्षा विभाग)
उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ

के तत्वावधान में

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

में आयोजित शहीदी दिवस के अवसर पर

एक दिवसीय कार्यशाला

विषय -

स्वच्छता एवं मतदाता जागरूकता

09 अप्रैल 2024 दिन-मंगलवार
चैत्र शुक्ल प्रथम, वि.सं. 2080

आयोजन स्थल : पंचकर्म हॉल
महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

आयोजक

राष्ट्रीय सेवा योजना

आरोग्य धाम, बालापार रोड, सोनबरसा, गोरखपुर -273007 (उ.प्र.)
E-mail : mgunivgkp@gmail.com, coordinator.nss@mgug.ac.in Website : www.mgug.ac.in

राष्ट्रीय सेवा योजना : परिचय

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद से ही छात्रों को राष्ट्र सेवा के कार्यों में संलग्न करने के वारे में विचार किया जाने लगा था। वर्ष 1950 में प्रथम शिक्षा आयोग ने छात्रों द्वारा स्वेच्छा से राष्ट्रसेवा के कार्य करने संस्तुति की। शिक्षा आयोग की संस्तुति पर प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने डॉ. सी.डी. देशमुख को अध्यक्षता में एक समिति गठित की जिसका उद्देश्य डिग्री स्तर के पूर्व छात्रों को अनिवार्य रूप से राष्ट्र सेवा के कार्यों में लगाये जाने की संभावनाओं का पता लगाना था। इस कार्य के लिये प्रोफेसर के.जी. सैम्यूद्दीन की नियुक्ति की गयी। उन्होंने विभिन्न देशों में छात्रों द्वारा किये जा रहे राष्ट्र सेवा के कार्यो का अध्ययन करके राष्ट्रसेवा को स्वैच्छिक बनाने का सुझाव दिया, ठीक यही संस्तुति डॉ. डी. एस. कोठारी की अध्यक्षता में गठित शिक्षा आयोग में भी की।

उपरोक्त संस्तुतियों के आधार पर चतुर्थ योजना आयोग ने देश के कुछ चुनिन्दा विश्वविद्यालयों में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम चलाये जाने हेतु 5 करोड़ रूपये व्यय करने की स्वीकृति प्रदान की। इस प्रकार शिक्षा मंत्रालय द्वारा वर्ग 1969-70 में राष्ट्रीय सेवा योजना की शुरुआत की गयी। यहाँ इस तथ्य का उल्लेख करना समीचीन होगा की वर्ष 1969 में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जन्म शताब्दी थी। वर्ष 1993 में इस कार्यक्रम की रजत जयंती वर्ष प्रारम्भ हुआ, जिसमें कार्यक्रमों की अतिरिक्त लक्ष्य स्वीकार किया गया है। इस योजना के शुभारम्भ के लिए इससे बढ़कर और कौन सा सुअवसर हो सकता था। वास्तव में वह घटना समाज सेवा के कार्यो के प्रति निष्ठावान बनने के लिए उनके प्रति एक श्रद्धांजली थी।

विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना सत्र 2022-23 से संचालित की जा रही है। शासन द्वारा कुल आठ इकाईयाँ (800 विद्यार्थियों) हेतु संचालित करने की अनुमति प्राप्त हुई थी। जिसका विवरण निम्नवत है-

इकाई सं0	इकाई कोड	इकाई का नाम	कार्यक्रम अधिकारी का नाम
1	UP-80/001/24/001	पारिजात इकाई	डॉ. विकाश कुमार यादव
2	UP-80/002/24/101	अष्टवक्र इकाई	,,
3	UP-80/003/24/201	आर्यभट्ट इकाई	श्री धनन्जय पाण्डेय
4	UP-80/004/24/301	माता सबरी इकाई	सुश्री शिवांगी दूबे
5	UP-80/005/24/401	नचिकेता इकाई	कुंवर अभिनव सिंह राठौर
6	UP-80/006/24/501	माता अनुसूइया इकाई	सुश्री ऐमन खान
7	UP-80/007/24/601	गार्गी इकाई	सुश्री कविता साहनी
8	UP-80/008/24/701	मैत्रयी इकाई	सुश्री प्रिया सिंह

आरोग्य धाम, बालापार रोड, सोनबरसा, गोरखपुर -273007 (उ.प्र.)
E-mail : mgunivgkp@gmail.com, coordinator.nss@mgug.ac.in Website : www.mgug.ac.in

कार्यशाला विवरण

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, राष्ट्रीय सेवा योजना क्षेत्रीय निदेशालय (उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखण्ड), लखनऊ द्वारा स्वच्छता एवं मतदाता जागरूकता के सन्दर्भ में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है जिसका उद्देश्य प्रदेश के समस्त क्षेत्रवासियों एवं विश्वविद्यालय के स्वयंसेवकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने एवं एक स्वच्छ भारत के निर्माण हेतु एक कदम बढ़ाने में एक प्रयास है साथ ही मतदाता जागरूकता के द्वारा मतदान एवं मतदान की शक्ति से परिचय कराने एवं इसके माध्यम से किस प्रकार हम एक समृद्ध एवं सम्पन्न राष्ट्र का निर्माण कर सकते हैं।

उद्घाटन समारोह

मुख्य अतिथि

श्री ए.एस. कबीर

क्षेत्रीय निदेशक, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, राष्ट्रीय सेवा योजना, (उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखण्ड) लखनऊ

व्याख्यान - प्रथम

विषय - स्वच्छता

वक्ता- डॉ. प्रकाश प्रियदर्शी
सहायक आचार्य, समाजशास्त्र विभाग,
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय,
गोरखपुर

व्याख्यान - द्वितीय

विषय - मतदाता जागरूकता

वक्ता- डॉ. दीपेन्द्र मोहन सिंह
सहायक आचार्य, समाजशास्त्र विभाग,
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय,
गोरखपुर

व्याख्यान - तृतीय

विषय - चुनाव में युवाओं की भूमिका

वक्ता- डॉ.वेद प्रकाश राय
सहायक आचार्य, विधि विभाग,
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय,
गोरखपुर

आरोग्य धाम, बालापार रोड, सोनबरसा, गोरखपुर -273007 (उ.प्र.)
E-mail : mgunivgkp@gmail.com, coordinator.nss@mgug.ac.in Website : www.mgug.ac.in

संरक्षक

श्री योगी आदित्यनाथ जी महाराज

माननीय मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश, सरकार
कुलाधिपति, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

प्रति कुलाधिपति

प्रो. उदय प्रताप सिंह

(पूर्व कुलपति, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर, उत्तर प्रदेश)
महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

कुलपति

मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेई

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

कुलसचिव

डॉ. प्रदीप कुमार राव

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

कार्यशाला समन्वयक

डॉ. अखिलेश कुमार दुबे

समन्वयक राष्ट्रीय सेवा योजना, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

कार्यशाला समिति सदस्य

डॉ. विकाश कुमार यादव

श्री धनन्जय पाण्डेय

श्री कुंवर अभिनव सिंह राठौर

सुश्री ऐमन खान

सुश्री कविता साहनी

सुश्री प्रिया सिंह

डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव

आरोग्य धाम, बालापार रोड, सोनबरसा, गोरखपुर -273007 (उ.प्र.)
E-mail : mgunivgkp@gmail.com, coordinator.nss@mgug.ac.in Website : www.mgug.ac.in

एकदिवसीय कार्यशाला (स्वच्छता एवं मतदाता जागरूकता)

उद्घाटन समारोह

राष्ट्रीय सेवा योजना

विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेई

मुख्य अतिथि श्री ए.एस. कबीर, क्षेत्रीय निदेशक, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय

दिनांकः **09 अप्रैल, 2024** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में भारत सरकार युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय राष्ट्रीय सेवा योजना (उच्च शिक्षा विभाग) उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ के तत्वाधान में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में आयोजित शहीदी दिवस के अवसर पर एकदिवसीय कार्यशाला (स्वच्छता एवं मतदाता जागरूकता) का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि मेजर जनरल (डॉ.) अतुल बाजपेई, कुलपति, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर, श्री ए. एस. कबीर, क्षेत्रीय निदेशक, भारत सरकार, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, राष्ट्रीय सेवा योजना (उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखंड) लखनऊ एवं डॉ राजेंद्र भारती, अधिष्ठाता, प्रशासन, राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अखिलेश दूबे ने दीप प्रज्वलन एवं मां सरस्वती, भारत माता एवं शिवावतार महायोगी गोरखनाथ जी के चित्र पुष्प अर्पण कर शुभारंभ किया।

मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित श्री ए. एस. कबीर ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार की योजना को धरातल पर क्रियान्वित करने के लिए समाज को जागरूक होना होगा। समाज के जागरूकता में युवाओं के महत्व को बताते हुए कहा की 'युवा शक्ति ही देश की प्रगति और विकास का मुख्य आधार है। राष्ट्रीय सेवा योजना युवाओं को राष्ट्र सेवा के साथ व्यक्तित्व विकास के लिए संकल्पित कर रहा है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल बाजपेई ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना विद्यार्थियों में आत्म चरित्र के साथ व्यक्तित्व, स्वालंभन, नवाचार, सृजन और अन्वेषकीय दृष्टि जाग्रत कर रहा है। हमारे विद्यार्थी शिक्षा के साथ राष्ट्र सेवा, समाज सेवा और जन–जन के कल्याण के लिए सभी को प्रेरित कर रहे हैं। निरंतर नवाचारों से स्वयं सेवक विश्वविद्यालय परिसर और ग्राम पंचायत में भी स्वच्छता पखवाड़ा और मतदाता जागरूकता पर 'वोट फॉर श्योर' के प्रति जन–जन को जागरूक कर रहें हैं। कार्यशाला की रूपरेखा रखते हुए कार्यक्रम समन्वयक राष्ट्रीय सेवा योजना डॉ. अखिलेश कुमार दुबे ने बताया कि यह कार्यशाला एक स्वच्छ एवं सशक्त राष्ट्र के निर्माण के लिए आयोजित की जा रही है। पूर्ण विश्वास है आज के मंथन से भविष्य के मार्ग प्रशस्त होंगे।

कार्यशाला में विश्वविद्यालय कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, अधिष्ठाता संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय प्रो. सुनील सिंह. कृषि संकाय डॉ. विमल दुबे, पैरामेडिकल संकाय डॉ. रोहित श्रीवास्तव एवं नर्सिंग संकाय डॉ. डी. एस. अजीथा, छात्रावास अधिक्षिका प्रज्ञा पांडेय, स्वीप नोडल अधिकारी डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव, कार्यक्रम अधिकारी श्री धनंजय पांडेय, कविता साहनी, प्रिया सिंह, कु. अभिनव सिंह राठौर, समस्त शिक्षक तथा 200 प्रतिभागी स्वयंसेवक उपस्थित रहें।

उद्घाटन समारोह की कुछ झलकियां

एकदिवसीय कार्यशाला (स्वच्छता एवं मतदाता जागरूकता)

प्रथम सत्र

सोशल मीडिया जागरूकता अभियान

विद्यार्थियों को सोशल मीडिया के इस्तेमाल की जानकारी देते हुए श्री कमल नयन श्रीवास्तव जी।

दिनांकः **09 अप्रैल, 2024** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में भारत सरकार युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय राष्ट्रीय सेवा योजना (उच्च शिक्षा विभाग) उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ के तत्वाधान में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में आयोजित शहीदी दिवस के अवसर पर एकदिवसीय कार्यशाला (स्वच्छता एवं मतदाता जागरूकता) का आयोजन किया गया। कार्यशाला के द्वितीय सत्र में समस्त विद्यार्थियों को राष्ट्रीय सेवा योजना सोशल मीडिया की जानकारी (समस्त स्वयंसेवकों के सोशल मीडिया पर अकाउंट्स अनिवार्य) दी कि किस प्रकार से इस पर जुड़ते है और इसका उपयोग करते है। आपके सामाजिक दायरे के विकास में इसका कितना महत्व है।

द्वितीय सत्र

व्याख्यान : स्वच्छता अभियान

कार्यशाला में विद्यार्थियों को स्वच्छता अभियान विषय पर सम्बोधित करते हुए डॉ. प्रकाश प्रियदर्शी

दिनांकः **09 अप्रैल, 2024** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में भारत सरकार युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय राष्ट्रीय सेवा योजना (उच्च शिक्षा विभाग) उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ के तत्वाधान में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में शहीदी दिवस के अवसर पर आयोजित एकदिवसीय कार्यशाला (स्वच्छता एवं मतदाता जागरूकता) के द्वितीय सत्र में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर के समाजशास्त्र विभाग के सहायक आचार्य डॉ. प्रकाश प्रियदर्शी ने स्वयंसेवकों को स्वच्छता अभियान पर संबोधित करते हुए कहा कि स्वच्छता एक अच्छी आदत है। स्वच्छता से अच्छा स्वास्थ प्राप्त कर रुग्णता को दूर किया जा सकता है। स्वच्छ भारत अभियान दुनिया का सबसे बड़ा अभियान है जो कि भारत के प्रधानमंत्री द्वारा महात्मा गांधी जी को श्रद्धांजलि देने के लिए चलाया जा रहा है।

आज स्वच्छता को जन–अभियान बनाने की आवश्यकता है। साथ ही स्वच्छता के लिए सामुदायिक जागरूकता का होना आवश्यक है। डॉ. प्रियदर्शी ने कहा कि खराब स्वच्छता (Poor samitation) के कारण विश्व स्तर पर शिशु मृत्युदर में वृद्धि हुई है। गौरतलब है कि केन्द्र में मोदी जी एवं राज्य में पूज्य महाराज जी की सरकार बनने के बाद से इसकी उपलब्धता में महत्वपूर्ण परिवर्तन आया है। हमें अपने जीवन से प्लास्टिक को हटाना होगा। प्लास्टिक से मनुष्य ही नहीं अपितु सम्पूर्ण पर्यावरण को खतरा है।

एकदिवसीय कार्यशाला (स्वच्छता एवं मतदाता जागरूकता)

तृतीय सत्र

मतदाता जागरूकता अभियान विषय पर विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए डॉ. दीपेन्द्र जी

मतदाता जागरूकता पर चर्चा

दिनांकः **09 अप्रैल, 2024** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में भारत सरकार युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय राष्ट्रीय सेवा योजना (उच्च शिक्षा विभाग) उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ के तत्वाधान में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में शहीदी दिवस के अवसर पर आयोजित एकदिवसीय कार्यशाला (स्वच्छता एवं मतदाता जागरूकता) के तृतीय सत्र में हमारे लोकतन्त्र की विशालता और विविधता हमारे लिए गर्व की बात है। मतदान लोकतंत्र की आधारशिला है और भारत के राजनीतिक परिदृश्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। आगामी आम चुनाव को सम्पन्न कराने में लगभग डेढ़ करोड़ चुनाव कर्मी अपनी सेवाएं प्रदान करेंगे। यह विश्व की सबसे बड़ी लॉजिस्टिक एक्सरसाइज की है।

यह बातें दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर के समाजशास्त्र के सहायक आचार्य डॉ. दीपेंद्र ने कहा कि युवा मतदाता, देश के उन करोडों युवाओं के प्रतिनिधि हैं जो स्वर्णिम भारत के निर्माण में अपनी निर्णायक भूमिका निभाएंगे। समकालीन समाज में इस राष्ट्र.निर्माता युवा–शक्ति को जागरूक बनाने की आवश्यकता है।

18वीं लोकसभा चुनाव के लिए हम तैयार है। 97 करोड़ मतदाता इस बार वोट करेंगे। 47 करोड़ महिला मतदाता है। 50 करोड़ पुरुष मतदाता है, जिसमें से 2 करोड़ युवा मतदाता पहली बार वोट देंगे। भारतीय लोकतंत्र में विश्व की सबसे बड़ी चुनाव प्रणाली है। इस बार 19 लाख लोग पोस्टल बैलेट (डाक के द्वारा मतदान का प्रयोग) करेंगे। 2011 वर्ष से राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाया जा रहा है। 25 जनवरी को मतदाता दिवस पर मतदान के विषय पर मतदान के प्रति जागरूकता किया जाता है । वोट जैसा कुछ नही वोट जरूर डालेंगे हम ।

युवा ही राष्ट्र के कर्णधार है। युवाओं पर हमारे भविष्य की नीव है। चुनावी प्रक्रिया में वैज्ञानिक अध्ययन करके वोट के कम पड़ने का कारण तलाशते है साथ ही नोटा का प्रयोग करके भी आप अपने वोट को सुरक्षित रखते है। 2009 से स्वीप का प्रयोग किया गया। स्वीप से ज्यादा से ज्यादा मतदाताओं को जोड़ा गया। मतदान क्रियान्वयन योजना से वोटिंग प्रतिशत को सुधारने का प्रयास किया जा रहा है।

मतदाता पंजीकरण में बीएलओ के माध्यम से मतदाता को जागरूक करना। जहा मतदान का प्रतिशत कम है वहा चुनाव आयोग एक एक वोट के प्रति गंभीर है। प्रति व्यक्ति का वोट महत्वपूर्ण है। वेट लैंड में भी चुनाव आयोग मतदान की व्यवस्था करता है। इस बार 70 प्रतिशत से अधिक मतदान का लक्ष्य है। युवा मतदान के प्रति उदासीन है। नेतृत्व में उनकी भागीदारी कम है एशहरी क्षेत्रों में लोगो को लगता है की एक वोट से क्या होगा। भगौलिक स्तर पर मतदान स्थल दूर होते है। किसी उत्सव या वैवाहिक आयोजनों से भी वोट के प्रति लोग उदासीन हो जाते है। मतदान के लिए सभी को जागरूक होना होगा। आपके वोट से क्या लाभ होगा, मतदाता के प्रति सरकार को प्रतिबद्ध होना होगा, जवाबदेही में वृद्धि होगी, मतदाताओं की चिंता करेंगे, राजनीतिक स्थिरता आएगी। आपका वोट भारत को विश्व पटल पर सशक्त भारत के रूप में स्थापित करेगा। एक राष्ट्र एक चुनाव के माध्यम से लोकतंत्र के सामने चुनौती है। सरकार इस दिशा में कार्य कर रही हैं।

एकदिवसीय कार्यशाला (स्वच्छता एवं मतदाता जागरूकता)

चतुर्थ सत्र

कार्यशाला में विद्यार्थियों को मतदाता जागरूकता अभियान विषय पर सम्बोधित करते हुए डॉ. वेद प्रकाश राय

मतदाता जागरूकता पर चर्चा

दिनांकः **09 अप्रैल, 2024** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में भारत सरकार युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय राष्ट्रीय सेवा योजना (उच्च शिक्षा विभाग) उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ के तत्वाधान में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में शहीदी दिवस के अवसर पर आयोजित एकदिवसीय कार्यशाला (स्वच्छता एवं मतदाता जागरूकता) के तृतीय सत्र में डॉ. वेद प्रकाश राय जी सहायक आचार्य विधि विभाग दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर ने मतदाता जागरूकता अभियान पर युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि यह हमारा संवैधानिक अधिकार है और उसका यह कर्तव्य है की ईमानदारी से वह इस कर्तव्य का निर्वाह करें जिससे सशक्त राष्ट्र का निर्माण संभव हो। प्रजातंत्र में युवा मतदाताओं की भूमिका अहम है जब प्रत्येक मतदाता, मतदान के रूप में अपने अधिकार के साथ दायित्व और कर्तव्यों का पालन करेगा तभी सशक्त राष्ट्र का निर्माण संभव होगा।मतदाता ही प्रजातंत्र का प्राण होता है। जिसका जागरूक रहना जरूरी है वोट करने का अधिकार आनद भारत में हमारा बहुत बड़ा अधिकार है जिसे खो देना दुर्भाग्यपूर्ण होगा। आज के युवा ही कल के भविष्य है उन्ही पर पूरे देश की तस्वीर और तकदीर निर्भर करता है, जात–पात, संप्रदाय, भाई भतीजावाद, लोभ लालच भय से ऊपर उठकर सभी अपने वोट के ताकत का प्रयोग कर प्रजातंत्र की नीव को मजबूत करे तभी देश का लोकतंत्र मजबूत होगा ।

समापन समारोह

पंचम सत्र

विद्यार्थियों को सम्बोधित करती हुई डॉ. तरन्नुम बानो

प्रजातंत्र में युवा मतदाताओं की अहम भूमिका

दिनांकः **09 अप्रैल, 2024** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में भारत सरकार युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय राष्ट्रीय सेवा योजना (उच्च शिक्षा विभाग) उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ के तत्वाधान में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में शहीदी दिवस के अवसर पर आयोजित एकदिवसीय कार्यशाला (स्वच्छता एवं मतदाता जागरूकता) के समापन समारोह के अवसर पर स्वच्छता और मतदाता जागरूकता अभियान कार्यशाला के समापन समारोह में मतदाता जागरूकता अभियान की जनपद नोडल अधिकारी डॉ तरन्नुम बानो ने युवा मतदाताओं को जागरूक करते हुए कहा कि प्रजातंत्र में युवाओं की अहम भूमिका है। शसक्त राष्ट्र के लिए जिम्मेदार नागरिक के तौर पर हम सभी को वोट के प्रति संकल्प लेना होगा की 18 वी लोकसभा चुनाव में स्वयं के साथ अपने आस पास के लोगो का जन जन को वोट देने के लिए जागरूक किया जाए।

जनपद नोडल अधिकारी डॉ तरन्नुम ने कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर ने शिक्षा के साथ अपने विद्यार्थियों को राष्ट्र हित में जागरूक मतदाता का शत प्रतिशत रिकॉर्ड पूरा किया है ये गौरव का पल है जब प्रथम बार युवा अपने वोट का प्रयोग कर शसक्त राष्ट्र के नव निर्माण में अपना योगदान देंगे।

षष्टम सत्र

विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए श्री वेद प्रकाश पाण्डेय

सम्बोधन

दिनांकः **09 अप्रैल, 2024** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में भारत सरकार युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय राष्ट्रीय सेवा योजना (उच्च शिक्षा विभाग) उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ के तत्वाधान में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में शहीदी दिवस के अवसर पर आयोजित एकदिवसीय कार्यशाला (स्वच्छता एवं मतदाता जागरूकता) के समापन समारोह के अवसर पर प्रख्यात साहित्यकार डॉ. वेद प्रकाश पांडेय ने कार्यशाला में सम्मिलित सभी स्वयंसेवकों को शुभकामना देते हुए कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना के द्वारा युवा विद्यार्थी शिक्षा के साथ चरित्र, व्यक्तित्व विकास का ककहरा सीख रहे है। स्वच्छता का भाव हमारे मन से हो कोरम या दिखावे के लिए न करे स्वच्छता से मन मस्तिष्क ही नहीं घर आंगन और समाज के प्रति भी हमारी प्रतिबद्धता होनी चाहिए। पूर्ण विश्वास है लोकतंत्र के नव निर्माण में युवा अपनी महती भूमिका निभाएंगे।

कार्यशाला का संचालन स्वयसेवक नीरज पासवान और उत्कर्ष सिंह ने किया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ विकाश कुमार यादव एवं श्री धनजय पांडेय ने किया ।

कार्यशाला में विश्वविद्यालय कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, अधिष्ठाता संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय प्रो. सुनील सिंह. कृषि संकाय डॉ. विमल दुबे, पैरामेडिकल संकाय डॉ. रोहित श्रीवास्तव एवं नर्सिंग संकाय डॉ. डी. एस. अजीथा, छात्रावास अधिक्षिका प्रज्ञा पांडेय, स्वीप नोडल अधिकारी डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव, कार्यक्रम अधिकारी श्री धनंजय पांडेय, कविता साहनी, प्रिया सिंह, कु. अभिनव सिंह राठौर, समस्त शिक्षक तथा 200 प्रतिभागी स्वयंसेवक उपस्थित रहें।

रंगोली प्रतियोगिता

रंगोली प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते विद्यार्थी

मतदाता जागरूकता अभियान

दिनांकः 10 अप्रैल, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर मेंमतदाता जागरूकता अभियान के अंतर्गत रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन आयुर्वेद कॉलेज के प्रार्थना सभागार में हुआ। मतदाता जागरूकता अभियान के द्वितीय चरण में रंगोली प्रतियोगिता में रंग अबीर गुलाल से लोकतंत्र की अद्भुत आकृति ने युवा मतदाताओं को आकर्षित किया। चलो मतदान करे और वोट फॉर श्योर और स्वच्छता अभियान पर केंद्रित रंगोली प्रतियोगिता में सभी विभागों से दो दर्जन से ज्यादा प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। एक ग्रुप में 4 प्रतिभागियों ने मिलकर भव्य रंगोली में लोकतंत्र की अभिव्यक्ति को सशक्त किया।

रंगोली प्रतियोगिता में निर्णायक सहायक आचार्य डा. आशुतोष श्रीवास्तव ने विद्यार्थीयो को संबोधित करते हुए कहा कि सशक्त लोकतंत्र के निर्माण में जिम्मेदार नागरिक के रूप में हम सभी को वोट के प्रति सतर्क और जागरूक रहना है। एक एक वोट से सरकार का निर्माण होता है। मत का अधिकार हमारा मौलिक अधिकार है। चलो मतदान करे, इस बार एक भी मतदाता न छूटे इसके लिए भी हमे संकल्पित होकर जन जन को जागरूक करना है। निर्णायक मंडल की कृषि संकाय विभाग की सहायक आचार्य डॉण् सासेती प्रेमकुमारी ने मतदाताओं को जागरूक करते हुए कहा कि लोकतंत्र के त्यौहार में मतदाता बनकर अच्छी सरकार चुनने का अधिकार आप सभी को मिल रहा है। युवा मतदाता के रूप में आपकी जिम्मेदारी महत्वपूर्ण है।

मतदाता जागरूकता अभियान के स्वीप नोडल अधिकारी डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में संयोजित रंगोली प्रतियोगिता में युवा मतदाताओं ने लोकतंत्र के महायज्ञ को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से युवा मतदाताओं ने सूत्र वाक्य 'वोट जैसा कुछ नही वोट जरूर डालेंगे हम' और अपने मत का उपयोग करे सबसे पहले मतदान करे पर रंगोली अलंकृत कर मतदाताओं को वोट देने के लिए प्रेरित किया। निर्णायक मंडल ने उत्कृष्ठ रंगोली का तकनीकी मूल्यांकन कर पैरा मेडिकल विभाग की भूमिका, साहिदा, कुशावती और पूजा को 'श्रेष्ठ रंगोली के रूप में चयन किया। प्रथम स्थान फार्मास्यूटिकल विभाग के ज्योति, सिद्धि, शिवांगी, जसवीर, द्वितीय स्थान कृषि विभाग के खुशी, पूजा, सागर, अभिषेक तृतीय स्थान फार्मास्यूटिकल के प्रमोद, पिंट, कुलदीप और विकास, सांत्वना पुरस्कार सीता, निधि, अर्चना, निशा को श्रेष्ठता क्रम में चयनित किया गया। प्रतियोगिता में छात्र संघ अध्यक्ष रंजीत शर्मा एमतदाता साक्षरता क्लब के ब्रांड एम्बेसडर शिवम कुमार पाण्डेयए निलेश कुमार यादव, निर्वाचक योद्धा शिवानी सिंह, सागर जायसवाल, खुशी गुप्ता, सिद्धि सिन्हा, शिवम सिंह, राहुल वर्मा, निकिता श्रीवास्तव, अंकिता तिवारी आदि ने युवा मतदाताओं को जागरूक किया। कार्यक्रम में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ.अखिलेश दूबे, कार्यक्रम अधिकारीण डॉ. विकाश कुमार यादव, श्री धनन्जय पाण्डेय, पूजा जायसवाल, नंदनी जायसवाल उपस्थित रही।

शैक्षणिक व्याख्यान

दिनांकः 13 अप्रैल, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में राष्ट्रीय कैडेट कोर एनसीसी 102 यू. पी. बटालियन के कैडेट्स के लिए शैक्षणिक व्याख्यान का आयोजन किया गया। रक्षा के क्षेत्र में भविष्य की संभावना और चुनौतियां विषय पर वायु सेना के सेवानिवृत वारंट ऑफिसर निर्मलण् सी ग्रॉसन ने कैडेट्स का मार्गदर्शन किया। विशेषज्ञ निर्मल सी रौसन ने कैडेट्स को प्रोत्साहित करते हुए कहा की रक्षा क्षेत्र में अनंत संभावनाएं है। सैन्य सेवा के लिए ऊंचा लक्ष्य, जुनून, अनुशासन, आत्मविश्वास और समय का पाबंद, मूल मंत्र हैं कैडेट्स अभी से अपने जीवन के लक्ष्य के प्रति सजग और जागरूक रहे। लक्ष्य के प्रति सदैव तत्पर रहे ए आपकी उत्सुकता ही आपको जीवन में लक्ष्य के प्रेरित करेगा। कहावत है कि रोम एक दिन में नही बना था। इजराइल में हर नागरिक को 5 वर्ष फौज में

राष्ट्रीय कैडेट कोर

व्याख्यान देते हुए डॉ. आशीष श्रीवास्तव

नौकरी करना अनिवार्य है। भारत में थल सेना, वायु और जल सेना के विविध विंग्स में ढेर सारे द्वार खुले हुए है आप सैन्य सेवा से राष्ट्र सेवा का संकल्प लें। सैन्य सेवा के आत्मविश्वास से सैनिक कभी रिटायर नहीं होता सामाजिक सेवा से राष्ट्र सेवा का जज्बा सदैव जिंदा रहता है। किसी भी काम में कोई शर्म नही होनी चाहिए। एनसीसी का प्रशिक्षण सैन्य सेवा के लिए प्रेरणा दायक है।

रक्षा क्षेत्र में एनसीसी का महत्व और भविष्य विषय पर विशेषज्ञ डॉ. आशीष श्रीवास्तव ने कैडेट्स को प्रेरित करते हुए एनसीसी सैन्य अनुशासन और साहसिक प्रशिक्षण की प्रेरणा देता है। एनसीसी प्रशिक्षण न केवल आपको जीवन में एक अधिक अनुशासित और जिम्मेदार व्यक्ति बनाता है बल्कि आपके व्यक्तित्व, चरित्र एवं गुण का भी विकास करता है। इसमें शारीरिक, शस्त्र, क्षेत्र एवं युद्ध कला आत्मरक्षा तथा साहसिक प्रशिक्षण के साथ कैडेट्स को जीवन के किसी भी परिस्थिति और चुनौतियों का सामना करने का संकल्प भी देता है। राष्ट्रीय कैडेट कोर ने स्कूली शिक्षा से विद्यार्थियों को सैन्य सेवा के लिए तैयार करने का चुनौती पूर्ण कार्य किया है। कैडेट्स सैन्य सेवा के लिए एनडीए, आईएमए, नेवल एक्डेमी, शॉट्स सर्विस कमीशन टेक्निकल ग्रेजुकेशन कोर्स, आर्मी कैडेट कॉलेज, टेरीटोरल आर्मी, आर्मी मेडिकल कोर्स, आर्मी पोस्टल सर्विस, एनसीसी स्पेशल एंट्री स्कीम, आईटीबीटी, सीआरपीएफ, सीआईएसएफ आदि में कैडेट्स को सुनहरा मौका मिलता है ।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के आयुर्वेद कॉलेज के विभागाध्यक्ष डॉ. शांति भूषण हांडुर एवं एनसीसी एएनओ डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने विशेषज्ञों का स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया। डॉ. संदीप श्रीवास्तव ने कहा की पूर्ण विश्वास है कैडेट्स एकता और अनुशासन के साथ अखंड भारत के संकल्प को पूर्ण करने के लिए सैन्य सेवा में अपने जीवन को समर्पित करेंगे, एनसीसी एकता के साथ कार्य करते हुए युवाओं में चरित्र निर्माण, अनुशासन, धर्मनिरपेक्ष दृष्टिकोण, साहस की भावना तथा स्वयं सेवा के आदर्शों को विकसित करती है। सरहदों की रक्षा के लिए कैडेट्स को तैयार करना एनसीसी का अहम लक्ष्य है। शिक्षा के साथ सैन्य अनुशासन का अभ्यास देश की रक्षार्थ प्रेरणा देता है।

कैडेट्स के शैक्षणिक व्याख्यान पर कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल बाजपई, कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने शुभकामना दिया। व्याख्यान से पूर्व कैडेट्स ने अतिथियों को गॉर्ड ऑफ ऑनर दिया गया। मंच संचालन अंडर आफिसर अंशिका सिंह ने किया।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से सीनियर अंडर ऑफिसर सागर जायसवाल, अंडर ऑफिसर मोती लाल, अंशिका सिंह, सार्जेंट खुशी गुप्ता, आदित्य विश्वकर्मा, कार्पोरल अभिषेक चौरसिया, लांस कार्पोरल हरेश्व साहनी, पूजा सिंह, कैडेट्स आशुतोष मणि त्रिपाठी, प्रियेश राम त्रिपाठी, आदित्य विश्वकर्मा, कृष्णा त्रिपाठी, अनुभव, आशुतोष सिंह, भानु प्रताप सिंह, अंशिका सिंह, खुशी गुप्ता, आंचल पाठक, पूजा सिंह, शालिनी चौहान, प्रीति शर्मा, दरख्शा बानो, शालनी चौहान, अस्मिता सिंह, गौरी कुशवाहा, अमित चौधरी उपस्थित रहे।

सैन्य प्रशिक्षण शिविर

प्रशिक्षण शिविर हेतु प्रस्थान करते हुए एनसीसी के कैडेट्स

राष्ट्रीय कैडेट कोर

दिनांकः 23 अप्रैल, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के राष्ट्रीय कैडेट कोर के कैडेट्स दस दिवसीय सैन्य प्रशिक्षण शिविर में सम्मिलित होकर राष्ट्र सेवा का संकल्प लेंगे।

102 यू.पी. बटालियन द्वारा आयोजित संयुक्त वार्षिकी प्रशिक्षण शिविर समेकित विशेष माध्यमिक विद्यालय, धनेवा–धनेई, महाराजगंज में राष्ट्रीय कैडेट कोर के 31 कैडेट्स सैन्य प्रशिक्षण शिविर में सम्मिलित हुए। कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल बाजपेई और कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव जी शुभाशीष दिया। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के 102 यू. पी. एन.सी.सी. यूनिट का नेतृत्व कर रहे ए.एन.ओ. डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि कैडेट्स के सैन्य प्रशिक्षण शिविर से कैडेट्स में अनुशासन, आत्मविश्वास, राष्ट्र सेवा का भाव जागृत होगा। शिविर में कुशल प्रशिक्षकों द्वारा सैन्य प्रशिक्षण के विविध गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

कैडेट्स को रवाना होने से पूर्व संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार सिंह ने शुभकामना देते हुए कहा कि एन.सी.सी. अनुशासन के साथ आत्मविश्वास कुशल नेतृत्व, सैन्य और राष्ट्र सेवा की प्रेरणा देता है। निश्चय ही प्रशिक्षण शिविर से कैडेट्स में व्यक्तित्व का विकास होगा और देश सेवा के लिए इन्हें प्रेरणा मिलेगी। कृषि विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता डॉ. विमल कुमार दुबे ने कैडेट्स को शुभकामना देते हुए कहा कि सैन्य प्रशिक्षण शिविर से कैडेट्स सैन्य सेवा के लिए स्वयं को तैयार करेंगे। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कैडेट्स शिविर में अपनी बहुमुखी प्रतिभा से विभिन्न प्रतियोगिताओं में सम्मिलित होकर उत्कृष्ट प्रदर्शन करेंगे। कैम्प में नेतृत्व सीनियर अंडर आफिसर सागर जायसवाल, अंडर आफिसर मोतीलाल, अंडर आफिसर अंशिका सिंह, खुशी गुप्ता, आंचल पाठक, श्रद्धा उपाध्याय, दरक्षा बानो, साक्षी प्रजापति, शालनी चौहान, अमृता कनौजिया,गौरी कुशवाहा, निकिता गौंड, पूजा सिंह, संजना शर्मा, अस्मिता सिंह, अनुष्का गुप्ता, चांदनी निषाद, अभिषेक चौरसिया, आदित्य विश्वकर्मा, अमित कुमार चौधरी, अनुभव, आशुतोष मणि त्रिपाठी, भानु प्रताप सिंह, हर्ष कुमार साहनी, कृष्णा त्रिपाठी, प्रियेश राम त्रिपाठी, सागर यादव, शिवम सिंह, आशुतोष सिंह शिविर में सम्मिलित हुए।

सैन्य प्रशिक्षण शिविर

राष्ट्रीय कैडेट कोर

संयुक्त प्रशिक्षण शिविर के उद्घाटन समारोह को सम्बोधित करते हुए कर्नल अखिलेश मिश्रा

दिनांकः 24 अप्रैल, 2024। राष्ट्रीय कैडेट कोर के 102 यू.पी. बटालियन द्वारा समेकित विशेष माध्यमिक विद्यालय महराजगंज में आयोजित संयुक्त प्रशिक्षण शिविर के उद्घाटन समारोह को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि कर्नल अखिलेश मिश्रा जी ने कहा राष्ट्रीय कैडेट कोर अनुशासन, और सामाजिक सेवा के मूल्यों को आत्मसात करने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। संयुक्त प्रशिक्षण शिविर में कैडेट्स को सैन्य जीवन के विभिन्न गतिविधियों, प्रशिक्षण और संगठनात्मक योजनाओं का एक व्यापक अनुभव प्रदान करेगा।

प्रशिक्षण शिविर न केवल छात्रों को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाता है बल्कि उन्हें राष्ट्र सेवा संकल्प की प्रेरणा भी देता है। भारत एक जीवंत देश है। युवा शक्ति सैन्य प्रशिक्षण से राष्ट्र सेवा के लिए हर पल तैयार है।

कर्नल अखिलेश मिश्रा ने कैडेट्स को शिविर के अनुशासन से परिचित कराते हुए कहा कि शिविर में प्रशिक्षण के विभिन्न आयामों से आप स्वयं को सैन्य सेवा के लिए तैयार करेंगे। आप की वर्दी आपकी विशिष्ट पहचान है जिसे पहन कर आप गर्व की अनुभूति करते है। वर्दी की शान, आत्मविश्वास के साथ औरों से आपको अलग करती है। एन.सी.सी. राष्ट्र निर्माण में जाति, धर्म, संस्कृति के भाव से ऊपर उठकर एकता और अनुशासन के भाव से एक श्रेष्ठ नागरिक होने का जज्बा जाग्रत करती है ।

लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह ने कहा कि यह शिविर कैडेट्स को राष्ट्रीय एकता, सामाजिक सेवाएं और देश के लिए समर्पित भावना को बढ़ावा देगा। नेतृत्व, टीमवर्क और विपरीत परिस्थितियों में संघर्ष के लिए तैयार करता है, जो कि उनके भविष्य में किसी भी क्षेत्र में उनके लिए महत्वपूर्ण हो सकता है।

शिविर छात्रों को आत्म–विश्वास और स्वावलंबन के मूल्य को समझाता है, जो उन्हें सफलता की ओर ले जाता है। यह छात्रों को समाज के लिए उपयोगी नागरिक बनाने के लिए महत्वपूर्ण है और उन्हें सामाजिक सेवा के महत्व को समझने का अवसर प्रदान करता है। शिविर छात्रों को राष्ट्रीय एकता और सहिष्णुता के मूल्यों को समझाता है।

शिविर में पी. आई. सीनियर जे. सी. यो. आर. के. राठी, सूबेदार के. पी. साहू, सूबेदार पवन दहिया, ए.एन.ओ. लेफ्टिनेंट चक्षु पाण्डेय, लेफ्टिनेंट अभिषेक कुमार साहनी, थर्ड अफसर विनीत श्रीवास्तव, थर्ड अफसर राजवीर सिंह, ए.एन.ओ. डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव आदि ने शिविर को संचालित करने में सहयोग कर रहे हैं।

सैन्य प्रशिक्षण शिविर

राष्ट्रीय कैडेट कोर

संयुक्त प्रशिक्षण शिविर में सम्बोधित करते हुए एवं एन.सी.सी. कैडेट्स के प्रशिक्षण का निरीक्षण करते हुए ब्रिगेडियर दीपेंद्र रावत

दिनांकः 27 अप्रैल, 2024। राष्ट्रीय कैडेट कोर के 102 यू. पी. बटालियन द्वारा समेकित विशेष माध्यमिक विद्यालय धनेवा, धनेही महराजगंज में आयोजित संयुक्त प्रशिक्षण शिविर में एन.सी.सी. गोरखपुर ग्रुप हेड क्वार्टर के ब्रिगेडियर दीपेंद्र रावत ने वार्षिक प्रशिक्षण शिविर का औचक निरीक्षण किया। शिविर में ग्यारह बटालियन के प्रतिभाग कर रहे फायरिंग टीम के कैडेटस का फायरिंग प्रशिक्षण देखकर कैडेट्स को फायरिंग की तकनीकी जानकारी देकर प्रोत्साहित किया। तत्पश्चात शिविर में प्रतिभाग कर रहे 608 कैडेटों से रूबरू हुए और एन.सी.सी. के प्रति समर्पण एकता और अनुशासन की पाठशाला में राष्ट्र सेवा के लिए जागरूक किया।

शिविर में एन.सी.सी. निदेशालय नई दिल्ली द्वारा उत्कृष्ट कैडेटों में अनुज राव. अमृता राव, अंकिता वर्मा, सिंपल, प्रमोद, शिवम को एन.सी.सी. छात्रवृति चेक से सम्मानित किया गया। साथ ही निश्चल राणा और शिवम को बेस्ट कैडेट की क्षेणी में 6 हजार और 45 सौ का चेक प्रदान कर कैडेट्स को प्रोत्साहित किया गया।

शिविर में ग्रुप कमांडर को क्वार्टर गार्ड द्वारा सलामी शस्त्र देकर सम्मान दिया गया। साथ ही वोट फॉर श्योर पर केंद्रित फ्लैग एरिया, हेरिटेज एग्जिबिशन का अवलोकन कर कैडेट्स के रख रखाव, खानपान का निरीक्षण किया गया। शिविर में ग्रुप कमांडर के साथ कैंप निरीक्षक डिप्टी कमांडर कर्नल विशाल दूबे, कर्नल ए. पी. पटीवाल, कर्नल अखिलेश मिश्रा, लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह ने शिविर के विभिन्न गतिविधियों, प्रतियोगिताओं का निरीक्षण कर कैडेट्स को सैन्य जीवन से जुड़ने की प्रेरणा दिया।

कर्नल अखिलेश मिश्रा ने कहा राष्ट्रीय कैडेट कोर अनुशासन और सामाजिक सेवा के मूल्यों को आत्मसात करने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। एन.सी.सी. राष्ट्र निर्माण में जाति, धर्म, संस्कृति के भाव से ऊपर उठकर एकता और अनुशासन के भाव से एक श्रेष्ठ नागरिक होने का जज्बा जाग्रत करती है।

18वीं लोकसभा चुनाव में युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने और जन–जन को वोट के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से फ्लैग एरिया को मतदान महादान के विषय पर केंद्रित किया गया है। 3डी मॉडल में बनाए गए भव्य रंगोली में वोट फॉर श्योर की दिव्यता का दर्शन हुआ है। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के एन.सी.सी. ए.एन.ओ. डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव के कला निर्देशन में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कैडेट्स साक्षी प्रजापति, निकिता गौंड, शिवम सिंह, आदर्श मौर्य, अमृता कन्नौजिया, गौरी कुशवाहा, अस्मिता सिंह, हश्र साहनी के साथ भुनेश्वरी कन्या इंटरमीडिएट कॉलेज के कैडेट्स जानकी गौंड, फारुख हाशमी, तन्नू सिंह, दिव्यांशु, नितेश, पूर्वा और विनीता, रामेश्वर निषाद ने फ्लैग एरिया को पूर्ण करने में सहयोग किया। फ्लैग एरिया को अंडर आफिसर अंशिका सिंह, अस्मिता सिंह और दरक्सा बानो ने अधिकारियों को वोट फॉर श्योर विषय को संपादित किया।

संयुक्त प्रशिक्षण शिविर में कैडेट्स को सैन्य जीवन के प्रशिक्षण के साथ सामाजिक सांस्कृतिक दायित्व से साक्षात्कार कराने के लिए कर्नल अखिलेश मिश्रा के नेतृत्व में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के ए. एन. ओ. डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव द्वारा धरोहर छायाचित्रों को धरोहर संकल्प गैलरी में प्रदर्शित किया गया है जहां प्राचीन वास्तु कला की धूप छाव में खींचे गए तस्वीरों से भारत की प्राचीन वैभव का दर्शन देखकर कैडेट्स आह्लादित हो रहे है। ए. एन. ओ. डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि धरोहर के संरक्षण और संवर्धन के लिए वर्षो से जन–जन को कार्यशाला एवं प्रदर्शनी के माध्यम से जागरूक करने का प्रयास किया जा रहा है जिसके लिए इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स और हाल ही में वर्ल्ड वाइड बुक आफ रिकॉर्ड्स से सम्मानित किया गया है।

लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह ने कहा कि सैन्य प्रशिक्षण के साथ कैडेट्स के चतुर्दिक व्यक्तित्व विकास के लिए राष्ट्रीय कैडेट कोर संकल्पित है। प्रशिक्षण शिविर न केवल छात्रों को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाता है, बल्कि उन्हें राष्ट्र सेवा संकल्प की प्रेरणा भी देता है। शिविर में पी. आई. सीनियर जे. सी. यो. आर. के राठी, सूबेदार के. पी. साहू, सूबेदार पवन दहिया, एन. ओ. लेफ्टिनेंट चक्षु पाण्डेय, लेफ्टिनेंट अभिषेक कुमार साहनी, थर्ड अफसर विनीत श्रीवास्तव, थर्ड अफसर, राजवीर सिंह, ए.एन.ओ. डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव आदि शिविर को संचालित करने में सहयोग कर रहे है।

सैन्य प्रशिक्षण शिविर

राष्ट्रीय कैडेट कोर

संयुक्त प्रशिक्षण शिविर में परेड का अभ्यास एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति देते हुए एन.सी.सी. कैडेट्स

दिनांकः 30 अप्रैल, 2024 | राष्ट्रीय कैडेट कोर के 102 यू.पी. बटालियन द्वारा समेकित विशेष माध्यमिक विद्यालय धनेवा, धनेही महराजगंज में आयोजित संयुक्त प्रशिक्षण शिविर में एन.सी.सी. कैडेट्स ने सटीक निशाना लगाकर एक गोली एक दुश्मन के फॉर्मूले को आत्मसात किया।

शिविर में कैम्प कमांडेड कर्नल अखिलेश मिश्रा ने कैडेट्स को सैन्य प्रशिक्षण जीवन से परिचित कराते हुए कहा कि एन.सी.सी. में सैन्य, शस्त्र और मैप का प्रशिक्षण बहुत ही महत्वपूर्ण है। नेशनल कैडेट कोर भारतीय युवा में राष्ट्रीय आत्मनिर्भरता, सेवा भावना और सैन्य नौकरियों के प्रति उत्साह को बढ़ाने का काम करता है। इसका मुख्य उद्देश्य छात्रों और छात्राओं में शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक विकास को प्रोत्साहित करना है।

एन.सी.सी. का प्रमुख लक्ष्य युवा पीढ़ी को सैन्य जीवन के महत्त्वपूर्ण तत्वों की समझ और समर्थन प्रदान करना है, जो उन्हें देश सेवा के क्षेत्र में उनके योगदान को बढ़ाने में मदद कर सकते हैं। एन.सी.सी. में छात्रों को सैन्य तकनीकों, संरचना और संगठन की जानकारी प्रदान करता है। सैन्य शिक्षा उन्हें युद्ध क्षेत्र में नियमितता, संगठन और विश्वास को विकसित करने में मदद करती है। इसके अलावा यह छात्रों को समर्थ बनाता है कि वे आपात स्थितियों में ठीक तरीके से कैसे प्रतिक्रिया करें और सैन्य तैयारी में उनकी क्षमता को बढ़ा सके। कर्नल अखिलेश मिश्रा ने कहा राष्ट्रीय कैडेट कोर अनुशासन और सामाजिक सेवा के मूल्यों को आत्मसात करने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। एन.सी.सी. राष्ट्र निर्माण में जाति धर्म, संस्कृति के भाव से ऊपर उठकर एकता और अनुशासन के भाव से एक श्रेष्ठ नागरिक होने का जज्बा जाग्रत करती है।

लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह ने कहा की शस्त्र शिक्षा भी एन.सी.सी. का एक अहम हिस्सा है, क्योंकि यह छात्रों को शस्त्रों का सही तरीके से प्रयोग करने की कला सिखाता है। यह उन्हें शस्त्रों के प्रकार, उपयोग और सुरक्षा के नियमों की समझ दिलाता है जो उन्हें स्वयं की सुरक्षा और अन्यों की सहायता करने में मदद करता है।

इसके अलावा शस्त्र शिक्षा छात्रों को सशक्त बनाती है और उन्हें स्वतंत्रता का एहसास कराती है कि वे खुद को संरक्षित रख सकते हैं। मैप रीडिंग और नेविगेशन की जानकारी भी एक महत्वपूर्ण कौशल है जो एन.सी.सी. के माध्यम से सिखाया जाता है। मैप रीडिंग और नेविगेशन का ज्ञान छात्रों को युद्ध क्षेत्र में निर्देशित करने में मदद करता है और उन्हें अनजान या अज्ञात क्षेत्रों में सुरक्षित रहने में सहायक होता है।

शिविर में व्यक्तित्व विकास पर लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह ने कहा की अपनी आत्म क्षमता को पहचानिए आप के शक्ल सूरत मायने नही रखती आप का रचनात्मक और सृजन बौद्धिक कार्य आपको औरों से अलग करता है। शिविर में ग्यारह बटालियन के कैडेटस फायरिंग का प्रशिक्षण कुशल सैन्य अधिकारियों कैडेट्स को फायरिंग की तकनीकी जानकारी देकर प्रोत्साहित कर रहे हैं।

शिविर में कैडेट्स सीनियर अंडर ऑफिसर सागर जायसवाल, अंडर आफिसर अंशिका सिंह, सार्जेंट खुशी गुप्ता, सीनियर अंडर ऑफिसर दीपाली यादव, सीनियर अंडर ऑफिसर महिमा चौधरी, साहिल यादव कैंप को संचालित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

शिविर में क्वार्टर गार्ड, वोट फॉर श्योर पर केंद्रित फ्लैग एरिया, हेरिटेज एग्जिबिशन, सांस्कृतिक प्रतियोगिता, टग ऑफ वार, ट्रेजर हंट, क्विज और वाद–विवाद प्रतियोगिता से कैडेट्स सैन्य जीवन से जुड़ने की प्रेरणा ग्रहण कर रहे है। शिविर में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के ए.एन.ओ. डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव द्वारा प्रदर्शित धरोहर छायाचित्र धरोहर संकल्प गैलरी कैडेट्स को भारत की प्राचीन वैभव का दर्शन कराने का प्रयास कर रहे हैं।

शिविर में पी.आई. सीनियर जे.सी.यो. आर. के. राठी, सूबेदार के. पी. साहू, सूबेदार पवन दहिया, ए.एन.ओ. लेफ्टिनेंट चक्षु पाण्डेय लेफ्टिनेंट अभिषेक कुमार साहनी, थर्ड अफसर विनीत श्रीवास्तव, थर्ड अफसर राजवीर सिंह, ए.एन.ओ. डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव आदि शिविर को संचालित करने में सहयोग कर रहे हैं।

मतदाता जागरूकता अभियान के द्वितीय चरण का शुभारंभ

गोरखपुर (एसएनबी)। लोकतंत्र के महायज्ञ को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में मतदाता जागरूकता अभियान के द्वितीय चरण का स्लोगन प्रतियोगिता से शुभारंभ हुआ। उच्च शिक्षा विभाग एवं भारत सरकार के निर्वाचन आयोग द्वारा निर्देशित मतदाता जागरूकता प्रतियोगिताओं में आज स्लोगन प्रतियोगिता में युवा मतदाताओं ने सूत्र वाक्य वोट जैसा कुछ नही वोट जरूर डालेंगे हम अपने मत का उपयोग करें और सबसे पहले मतदान करे जैसे नए स्लोगन को कैलीग्राफी शैली में लिखकर मतदाताओं को वोट देने के लिए प्रेरित किया।

स्लोगन प्रतियोगिता में 170 युवा मतदाताओं ने वोट फार योर पर विविध स्लोगन ध्येय शब्द लिखकर शत प्रतिशत मतदान करने का संकल्प लिया । मतदाता जागरुकता अभियान के प्रथम चरण में शिविर , मतदाता आन लाइन पंजीकरण प्रशिक्षण कार्यशाला , मेंहदी , सुलेखन , प्रश्नोत्तरी , मानव श्रृंखला , मतदाता जागरुकता रिल्स, सेल्फी प्वाइंट और रैली निकाल कर युवाओं को मत के अधिकार से जोड़ने का प्रयास किया गया । प्रतियोगिता में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्यव्यक डा. अखिलेश दूबे , कार्यक्रम अधिकारी डा. विकास यादव, धनंजय पाण्डेय ,अभिनव सिंह राठौर ,सुश्री ऐमन ,सुश्री कविता साहनी ,सुश्री प्रिया सिंह सहित मतदाता साक्षरता क्लब के ब्रांड एम्बेसडर शिवम कुमार पाण्डेय, निलेश कुमार यादव , निर्वाचक योद्धा शिवानी सिंह, सागर जायसवाल, खुशी गुप्ता , सिद्धि सिन्हा, शिवम सिंह , राहुल वर्मा, निकिता श्रीवास्तव, अंकिता तिवारी आदि उपस्थित रहे।

मेहंदी प्रतियोगिता में गरिमा प्रथम

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में मतदाता जागरूकता अभियान के दूसरे चरण में शुक्रवार को मेहंदी प्रतियोगिता हुइ।

प्रथम स्थान गरिमा सिंह को मिला जबकि अंकिता करे दूसरा, मोहिनी को तीसरा और श्रुति सोनकर, श्वेता सिंह, अंशिका सिंह को सांत्वना पुरस्कार के लिए चयनित किया।

मेहंदी प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में सहायक आचार्य डॉ. अनुपमा ओझा ने कहा कि सशक्त लोकतंत्र के निर्माण में जिम्मेदार नागरिक के रूप में सभी को मतदान के प्रति जागरूक रहना है।

एक-एक वोट से सरकार का निर्माण होता है। जूही तिवारी ने कहा कि लोकतंत्र के त्योहार में युवा मतदाता के रूप में आपकी जिम्मेदारी महत्वपूर्ण है। संवाद

मतदाता जागरूकता अभियान के द्वितीय चरण का स्लोगन प्रतियोगिता शुरू

गोरखपुर। लोकतंत्र के महायज्ञ को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में मतदाता जागरूकता अभियान के द्वितीय चरण का स्लोगन प्रतियोगिता से शुभारंभ हुआ। उच्च शिक्षा विभाग एवम् भारत सरकार के निर्वाचन आयोग द्वारा निर्देशित मतदाता जागरूकता प्रतियोगिताओं में आज स्लोगन प्रतियोगिता में युवा मतदाताओं ने सूत्र वाक्य " वोट जैसा कुछ नही वोट जरूर डालेंगे हम " और अपने मत का उपयोग करे सबसे पहले मतदान करे जैसे नए स्लोगन को कैलीग्राफी शैली में लिखकर मतदाताओं को वोट देने के लिए प्रेरित किया ।स्लोगन प्रतियोगिता में 170 युवा मतदाताओं ने वोट फॉर श्योर पर विविध स्लोगन ध्येय शब्द लिखकर शत प्रतिशत मतदान करने का संकल्प लिया ।राष्ट्रीय सेवा योजना के मतदाता जागरूकता अभियान के तहत युवा मतदाताओं को जागरूक करने का प्रयास किया जा रहा है। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के स्वीप नोडल अधिकारी डॉ संदीप कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में विद्यार्थियों ने लोकतंत्र में वोट के अधिकार पर विविध स्लोगन लिखा। स्वीप नोडल अधिकारी डॉ. संदीप श्रीवास्तव ने कहा कि विश्वविद्यालय में मतदाता दिवस को लेकर विद्यार्थियों में वोट के प्रति उत्साह देखने को मिल रहा है ।महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय ने कुलसचिव डॉ.प्रदीप कुमार राव जी के कुशल नेतृत्व में शत प्रतिशत मतदाता के लक्ष्य को पूरा किया है ।मतदाता जागरुकता अभियान के प्रथम चरण में शिविर , मतदाता आन लाइन पंजीकरण प्रशिक्षण कार्यशाला , मेंहदी , सुलेखन , प्रश्नोत्तरी , मानव श्रृंखला , मतदाता जागरुकता रिल्स, सेल्फी पॉइंट और रैली निकाल कर युवाओं को मत के अधिकार से जोडने का प्रयास किया गया ।

मतदाता जागरूकता अभियान का स्लोगन प्रतियोगिता से हुआ शुभारंभ

गोरखपुर (विधान केसरी)। लोकतंत्र के महायज्ञ को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में मतदाता जागरूकता अभियान के द्वितीय चरण का स्लोगन प्रतियोगिता से शुभारंभ हुआ। उच्च शिक्षा विभाग एवम् भारत सरकार के निर्वाचन आयोग द्वारा निर्देशित मतदाता जागरूकता प्रतियोगिताओं में आज स्लोगन प्रतियोगिता में युवा मतदाताओं ने सूत्र वाक्य वोट जैसा कुछ नही वोट जरूर डालेंगे हम और अपने मत का उपयोग करे सबसे पहले मतदान करे जैसे नए स्लोगन को कैलीग्राफी शैली में लिखकर मतदाताओं को वोट देने के लिए प्रेरित किया। स्लोगन प्रतियोगिता में 170 युवा मतदाताओं ने वोट फॉर श्योर पर विविध स्लोगन ध्येय शब्द लिखकर शत प्रतिशत मतदान करने का संकल्प लिया। राष्ट्रीय सेवा योजना के मतदाता जागरूकता अभियान के तहत युवा मतदाताओं को जागरूक करने का प्रयास

किया जा रहा है। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के स्वीप नोडल अधिकारी डॉ संदीप कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में विद्यार्थियों ने लोकतंत्र में वोट के अधिकार पर विविध स्लोगन लिखा। स्वीप नोडल अधिकारी डॉ. संदीप श्रीवास्तव ने कहा कि विश्वविद्यालय में मतदाता दिवस को लेकर विद्यार्थियों में वोट के प्रति उत्साह देखने को मिल रहा है। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय ने कुलसचिव डॉ.प्रदीप कुमार राव जी के कुशल नेतृत्व में शत प्रतिशत मतदाता के लक्ष्य को पूरा किया है। मतदाता जागरुकता अभियान के प्रथम चरण में शिविर, मतदाता आन लाइन पंजीकरण प्रशिक्षण कार्यशाला, मेंहदी, सुलेखन, प्रश्नोत्तरी, मानव श्रृंखला, मतदाता जागरुकता रिल्स, सेल्फी पॉइंट और रैली निकाल कर युवाओं को मत के अधिकार से जोडने का प्रयास किया गया।

प्रतियोगिता में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्यव्यक डॉ अखिलेश दूबे, कार्यक्रम अधिकारी डॉ विकास यादव, श्री धनंजय पाण्डेय एश्री अभिनव सिंह राठोर, सुश्री ऐमन, सुश्री कविता साहनी, सुश्री प्रिया सिंह सहित मतदाता साक्षरता क्लब के ब्रांड एम्बेसडर शिवम कुमार पाण्डेय, निलेश कुमार यादव, निर्वाचक योद्धा शिवानी सिंह, सागर जायसवाल, खुशी गुप्ता, सिद्धि सिन्हा, शिवम सिंह, राहुल वर्मा, निकिता श्रीवास्तव, अंकिता तिवारी आदि ने उपस्थित रहे।आयोजन में संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठता प्रो. सुनील कुमार सिंह, प्रो. एस के सिंह, डॉ कुलदीप सिंह, पूजा जायसवाल, प्रवीण कुमार सिंह, अभिषेक सिंह, दिलीप मिश्रा, जूही तिवारी, पियूष आनंद, नंदनी जायसवाल का सहयोग रहा।

मेंहदी के चटक रंगो में उतरे लोकतंत्र के विविध रूप

☐ महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में मतदाता जागरूकता अभियान के तहत मेंहदी प्रतियोगिता का आयोजन

स्वतंत्र चेतना

नगर संवाददाता /गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में मतदाता जागरूकता अभियान के द्वितीय चरण में शुक्रवार को मेंहदी प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। इसके जरिये मेंहदी के चटक रंगों में लोकतंत्र के विविध रूप नजर आए।

मेंहदी प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में सहायक आचार्य डॉ .अनुपमा ओझा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि सशक्त लोकतंत्र के निर्माण में जिम्मेदार नागरिक के रूप में हम सभी को मतदान के प्रति जागरूक रहना है। एक-एक वोट से सरकार का निर्माण होता है। मत का अधिकार हमारा मौलिक अधिकार है। निर्णायक मंडल की श्रीमती जूही तिवारी ने कहा कि लोकतंत्र के त्योहार में मतदाता बनकर अच्छी सरकार चुनने का अधिकार आप सभी को मिल रहा है। युवा मतदाता के रूप में आपकी जिम्मेदारी महत्वपूर्ण है। चाय की टेबल से लेकर गांव की चौपाल तक जन-जन को मतदान के प्रति जागरूक करना है।

निर्णायक मंडल ने उत्कृष्टता के आधार पर मूल्यांकन कर प्रथम स्थान पर गरिमा सिंह, द्वितीय स्थान पर अंकिता, तृतीय स्थान पर मोहिनी चौहान तथा सांत्वना पुरस्कार के लिए श्रुति सोनकर, श्वेता सिंह, अंशिका सिंह को चयनित किया। प्रतियोगिता डॉ. संदीप श्रीवास्तव के संयोजन में हुई। स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. सुनील सिंह, डॉ. विमल दूबे, डॉ कुलदीप सिंह, राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ विकास यादव, धनंजय पाण्डेय, अभिनव सिंह, छात्र संसद के अध्यक्ष रंजीत शर्मा आदि भी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में मतदाता जागरूकता अभियान के द्वितीय चरण का स्लोगन प्रतियोगिता से शुभारंभ

संवाददाता

गोरखपुर। 2 मार्च 2024 , लोकतंत्र के महायज्ञ को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में मतदाता जागरूकता अभियान के द्वितीय चरण का स्लोगन प्रतियोगिता से शुभारंभ हुआ। उच्च शिक्षा विभाग एवम् भारत सरकार के निर्वाचन आयोग द्वारा निर्देशित मतदाता जागरूकता प्रतियोगिताओं में आज स्लोगन प्रतियोगिता में युवा मतदाताओ ने सूत्र वाक्य वोट जैसा कुछ नही वोट जरूर डालेंगे हम और अपने मत का उपयोग करे सबसे पहले मतदान करे जैसे नए स्लोगन को कैलीग्राफी शैली में लिखकर मतदाताओं को वोट देने के लिए प्रेरित किया।

स्लोगन प्रतियोगिता में 170 युवा मतदाताओं ने वोट फॉर श्योर पर विविध स्लोगन ध्येय शब्द लिखकर शत प्रतिशत मतदान करने का संकल्प लिया । राष्ट्रीय सेवा योजना के मतदाता जागरूकता अभियान के तहत युवा मतदाताओं को जागरूक करने का प्रयास किया जा रहा है। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के स्वीप नोडल अधिकारी डॉ संदीप कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में विद्यार्थियों ने लोकतंत्र में वोट के अधिकार पर विविध स्लोगन लिखा। स्वीप नोडल अधिकारी डॉ. संदीप श्रीवास्तव ने कहा कि विश्वविद्यालय मे मतदाता दिवस को लेकर विद्यार्थियों में वोट के प्रति उत्साह देखने को मिल रहा है ।महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय ने कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव जी के कुशल नेतृत्व में शत प्रतिशत मतदाता के लक्ष्य को पूरा किया है।मतदाता जागरूकता अभियान के प्रथम चरण में शिविर , मतदाता आन लाइन पंजीकरण प्रशिक्षण कार्यशाला , मेंहदी , सुलेखन , प्रश्नोत्तरी , मानव श्रृंखला , मतदाता जागरूकता रिल्स, सेल्फी पॉइंट और रैली निकाल कर युवाओं को मत के अधिकार से जोडने का प्रयास किया गया । प्रतियोगिता मे राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वय्यक डॉ अखिलेश दूबे , कार्यक्रम अधिकारी डॉ विकास यादव, श्री धनंजय पाण्डेय ,श्री अभिनव सिंह राठोर , सुश्री ऐमन ,सुश्री कविता साहनी ,सुश्री प्रिया सिंह सहित मतदाता साक्षरता क्लब के ब्रांड एम्बेसडर शिवम कुमार पाण्डेय, निलेश कुमार यादव , निर्णायक योद्धा शिवानी सिंह, सागर जायसवाल, खुशी गुप्ता , सिद्धि सिन्हा, शिवम सिंह , राहुल वर्मा, निकिता श्रीवास्तव, अंकिता तिवारी आदि ने उपस्थित रहे।आयोजन में संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठता प्रो. सुनील कुमार सिंह, प्रो. एस के सिंह , , डॉ कुलदीप सिंह ,पूजा जायसवाल , प्रवीण कुमार सिंह , अभिषेक सिंह, दिलीप मिश्रा, जूही तिवारी, पियूष आनंद , नंदनी जायसवाल जी का सहयोग रहा।

मेहंदी के चटख रंगों में उभरे लोकतंत्र के विविध रूप

जागरूकता

गोरखपुर,वरिष्ठ संवाददाता। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में मतदाता जागरूकता अभियान के द्वितीय चरण में शुक्रवार को मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। इसके जरिये मेहंदी के चटक रंगों में लोकतंत्र के विविध रूप नजर आए।

मेहंदी प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में सहायक आचार्य डॉ. अनुपमा ओझा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि सशक्त लोकतंत्र के निर्माण में जिम्मेदार नागरिक के रूप में हम सभी को मतदान के प्रति जागरूक रहना है। एक-एक वोट से सरकार का निर्माण होता है। मत का अधिकार हमारा मौलिक अधिकार है। निर्णायक मंडल की जूही तिवारी ने कहा कि लोकतंत्र के त्योहार में मतदाता बनकर अच्छी सरकार चुनने का अधिकार आप सभी को मिल रहा है। युवा मतदाता के रूप में आपकी जिम्मेदारी महत्वपूर्ण है। चाय की टेबल से लेकर गांव की चौपाल तक जन-जन को मतदान के प्रति जागरूक करना है।

मतदाता जागरूकता के लिए गोरखनाथ विश्वविद्यालय में मेहंदी प्रतियोगिता हुई।

निर्णायक मंडल ने उत्कृष्टता के आधार पर मूल्यांकन कर प्रथम स्थान पर गरिमा सिंह, द्वितीय स्थान पर अंकिता, तृतीय स्थान पर मोहिनी चौहान तथा सांत्वना पुरस्कार के लिए श्रुति सोनकर, श्वेता सिंह, अंशिका सिंह को चयनित किया। प्रतियोगिता डॉ. संदीप श्रीवास्तव के संयोजन में हुई। स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठता प्रो. सुनील सिंह, डॉ. विमल दूबे, डॉ. कुलदीप सिंह, डॉ. विकास यादव, धनंजय पाण्डेय, अभिनव सिंह, छात्र संसद के अध्यक्ष रंजीत शर्मा आदि उपस्थित रहे।

मेहंदी के रंग से चटख हुआ लोकतंत्र का रंग

जासं, गोरखपुर : महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय परिसर में मतदाता जागरूकता अभियान के द्वितीय चरण में शुक्रवार को मेंहदी प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। प्रतियोगिता में मेहंदी के रंग के जरिये लोकतंत्र का रंग चटख होता दिखा।

मेहंदी प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में शामिल सहायक आचार्य डा. अनुपमा ओझा ने कहा कि सशक्त लोकतंत्र के निर्माण में जिम्मेदार नागरिक के रूप में हम सभी को मतदान के प्रति जागरूक रहना है। एक-एक वोट से सरकार का निर्माण होता है। निर्णायक मंडल की जूही तिवारी ने कहा कि युवा मतदाता के रूप में विद्यार्थियों की जिम्मेदारी महत्वपूर्ण है। मूल्यांकन में गरिमा सिंह को पहला, अंकिता को दूसरा और मोहिनी चौहान को तीसरा स्थान मिला।

मेहंदी रचातीं महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की छात्राएं ● सौ.गोवि

श्रुति सोनकर, श्वेता सिंह और अंशिका सिंह सांत्वना पुरस्कार के लिए चुनी गईं। इस दौरान मतदाता जागरूकता अभियान स्वीप के नोडल अधिकारी डा. संदीप कुमार श्रीवास्तव, प्रो. सुनील कुमार सिंह, डा. विमल दुबे, डा. कुलदीप सिंह आदि मौजूद रहे।

राष्ट्र सेवा व व्यक्तित्व विकास का मार्ग प्रशस्त करता है रासेयो : कबीर

भास्कर ब्यूरो

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना (रासेयो) के तत्वावधान व भारत सरकार के युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय तथा प्रदेश के उच्च शिक्षा विभाग के सहयोग से मंगलवार को आयोजित कार्यशाला में स्वच्छता और मतदाता जागरूकता पर मंथन किया गया। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के क्षेत्रीय निदेशक (उत्तर प्रदेश-उत्तराखंड) ए.एस. कबीर ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना राष्ट्र सेवा व व्यक्तित्व विकास का मार्ग प्रशस्त करता है।

श्री कबीर ने कहा कि सरकार की योजना को धरातल पर क्रियान्वित करने के लिए समाज को जागरूक होना होगा। समाज की जागरूकता में युवाओं के महत्व को बताते हुए उन्होंने कहा कि युवा शक्ति ही देश देश की प्रगति और विकास का मुख्य आधार है। राष्ट्रीय सेवा योजना युवाओं को अंतर्निहित

● गोरखनाथ विवि में राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यशाला में स्वच्छता एवं मतदाता जागरूकता पर हुआ मंथन

शक्तियों को पहचानने और उन्हें समाज हित में उपयोगी बनाना सिखा रहा है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना विद्यार्थियों में आत्म चरित्र के साथ व्यक्तित्व, स्वालंभन, नवाचार, सृजन और अन्वेषकीय दृष्टि जागृत कर रहा है। इससे जुड़े विद्यार्थी शिक्षा के साथ राष्ट्र सेवा, समाज सेवा और जन जन के कल्याण के लिए सभी को प्रेरित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि निरंतर नवाचारों से स्वयं सेवक विश्वविद्यालय परिसर और ग्राम पंचायत में भी स्वच्छता पखवाड़ा और मतदाता जागरूकता पर वोट फॉर श्योर के प्रति जन जन को जागरूक कर रहे हैं। कार्यशाला की रूपरेखा रखते हुए कार्यक्रम समन्वयक राष्ट्रीय सेवा योजना डॉ. अखिलेश कुमार दुबे ने बताया कि यह कार्यशाला एक स्वच्छ एवं सशक्त राष्ट्र के निर्माण के लिए आयोजित की जा रही है। कार्यशाला के द्वितीय सत्र में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में समाजशास्त्र विभाग के सहायक आचार्य डॉ. प्रकाश प्रियदर्शी ने स्वयंसेवकों को स्वच्छता अभियान पर संबोधित करते हुए कहा कि स्वच्छता एक अच्छी आदत है। स्वच्छता से अच्छा स्वास्थ्य प्राप्त कर रुग्णता को दूर किया जा सकता है। स्वच्छ भारत अभियान दुनिया का सबसे बड़ा अभियान है जो कि प्रधानमंत्री द्वारा महात्मा गांधी जी को श्रद्धांजलि देने के लिए चलाया गया। मतदाता जागरूकता पर केंद्रित तीसरे सत्र में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में समाजशास्त्र के सहायक आचार्य डॉ. प्रकाश प्रियदर्शी ने स्वयंसेवकों को स्वच्छता अभियान पर संबोधित करते हुए कहा कि स्वच्छता एक अच्छी आदत है। स्वच्छता से अच्छा स्वास्थ्य प्राप्त कर रुग्णता को दूर किया जा सकता है। स्वच्छ भारत अभियान दुनिया का सबसे बड़ा अभियान है जो कि प्रधानमंत्री द्वारा महात्मा गांधी जी को श्रद्धांजलि देने के लिए चलाया गया। मतदाता जागरूकता पर केंद्रित तीसरे सत्र में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में समाजशास्त्र के सहायक आचार्य डॉ. दीपेंद्र ने कहा कि मतदान लोकतंत्र की आधारशिला है और भारत के राजनीतिक परिदृश्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डर. प्रदीप कुमार राव, प्रशासनिक अधिष्ठाता डॉ राजेंद्र भारती, नर्सिंग कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ. डीएस अजीथा, साहित्यकार डॉ. वेद प्रकाश पांडेय, कार्यक्रम अधिकारी डॉ विकास कुमार यादव, धनंजय पांडेय , प्रो सुनील सिंह, डॉ विमल दुबे, डॉ रोहित श्रीवास्तव, प्रज्ञा पांडेय, डॉ संदीप श्रीवास्तव समेत बड़ी संख्या में रासेयो के प्रतिभागी स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

चौत्र नवरात्रि पर सीएम योगी ने प्रदेशवासियों को दी बधाई

लखनऊ (संवाददाता)। आज से चौत्र नवरात्रि की शुरुआत मंगलवार से हो गई है। 9 दिन मां दुर्गा के 9 रूपों की पूजा होगी। मां के मंदिरों में सुबह से ही भक्तों का तांता लगा हुआ है। बड़ी संख्या में भक्त मां के दर्शन करने पहुंच रहे हैं। इसके साथ ही घरों में भी लोग मां दुर्गा की स्थापना कर रहे हैं।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यशाला में स्वच्छता एवं मतदाता जागरूकता पर हुआ मंथन

मखौड़ा संदेश गोरखपुर संवाददाता।

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना (रासेयो) के तत्वावधान व भारत सरकार के युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय तथा प्रदेश के उच्च शिक्षा विभाग के सहयोग से मंगलवार को आयोजित कार्यशाला में स्वच्छता और मतदाता जागरूकता पर मंथन किया गया। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के क्षेत्रीय निदेशक (उत्तर प्रदेश–उत्तराखंड) ए.एस. कबीर ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना राष्ट्र सेवा व व्यक्तित्व विकास का मार्ग प्रशस्त करता है।

श्री कबीर ने कहा कि सरकार की योजना को धरातल पर क्रियान्वित करने के लिए समाज को जागरूक होना होगा। समाज की जागरूकता में युवाओं के महत्व को बताते हुए उन्होंने कहा कि युवा शक्ति ही देश देश की प्रगति और विकास का मुख्य आधार है। राष्ट्रीय सेवा योजना युवाओं को अंतर्निहित शक्तियों को पहचानने और उन्हें समाज हित में उपयोगी बनाना सिखा रहा है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना विद्यार्थियों में आत्म चरित्र के साथ व्यक्तित्व, स्वालंभन, नवाचार, सृजन और अन्वेषकीय दृष्टि जागृत कर रहा है। इससे जुड़े विद्यार्थी शिक्षा के साथ राष्ट्र सेवा, समाज सेवा और जन जन के कल्याण के लिए सभी को प्रेरित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि निरंतर नवाचारों से स्वयं सेवक विश्वविद्यालय परिसर और ग्राम पंचायत में भी स्वच्छता पखवाड़ा और मतदाता जागरूकता पर वोट फॉर श्योर के प्रति जन जन को जागरूक कर रहे हैं। कार्यशाला की रूपरेखा रखते हुए कार्यक्रम समन्वयक राष्ट्रीय सेवा योजना डॉ. अखिलेश कुमार दुबे ने बताया कि यह कार्यशाला एक स्वच्छ एवं सशक्त राष्ट्र के निर्माण के लिए आयोजित की जा रही है।

कार्यशाला के द्वितीय सत्र में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में समाजशास्त्र विभाग के सहायक आचार्य डॉ. प्रकाश प्रियदर्शी ने स्वयंसेवकों को स्वच्छता अभियान पर संबोधित करते हुए कहा कि स्वच्छता एक अच्छी आदत है। स्वच्छता से अच्छा स्वास्थ्य प्राप्त कर रुग्णता को दूर किया जा सकता है। स्वच्छ भारत अभियान दुनिया का सबसे बड़ा अभियान है जो कि प्रधानमंत्री द्वारा महात्मा गांधी जी को श्रद्धांजलि देने के लिए चलाया गया। मतदाता जागरूकता पर केंद्रित तीसरे सत्र में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में समाजशास्त्र के सहायक आचार्य डॉ. दीपेंद्र ने कहा कि मतदान लोकतंत्र की आधारशिला है और भारत के राजनीतिक परिदृश्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डर. प्रदीप कुमार राव, प्रशासनिक अधिष्ठाता डॉ राजेंद्र भारती, नर्सिंग कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ. डीएस अजीथा, साहित्यकार डॉ. वेद प्रकाश पांडेय, कार्यक्रम अधिकारी डॉ विकास कुमार यादव, धनंजय पांडेय , प्रो सुनील सिंह, डॉ विमल दुबे, डॉ रोहित श्रीवास्तव, प्रज्ञा पांडेय, डॉ संदीप श्रीवास्तव समेत बड़ी संख्या में रासेयो के प्रतिभागी स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

राष्ट्र सेवा व व्यक्तित्व विकास का मार्ग प्रशस्त करता है रासेयो: कबीर

गोरखपुर। (स्पष्ट आवाज)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना (रासेयो) के तत्वावधान व भारत सरकार के युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय तथा प्रदेश के उच्च शिक्षा विभाग के सहयोग से मंगलवार को आयोजित कार्यशाला में स्वच्छता और मतदाता जागरूकता पर मंथन किया गया। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के क्षेत्रीय निदेशक (उत्तर प्रदेश-उत्तराखंड) ए.एस. कबीर ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना राष्ट्र सेवा व व्यक्तित्व विकास का मार्ग प्रशस्त करता है।

श्री कबीर ने कहा कि सरकार की योजना को धरातल पर क्रियान्वित करने के लिए समाज को जागरूक होना होगा। समाज की जागरूकता में युवाओं के महत्व को बताते हुए उन्होंने कहा कि युवा शक्ति ही देश देश की प्रगति और विकास का मुख्य आधार है। राष्ट्रीय सेवा योजना युवाओं को अंतर्निहित शक्तियों को पहचानने और उन्हें समाज हित में उपयोगी बनाना सिखा रहा है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना विद्यार्थियों में आत्म चरित्र के साथ व्यक्तित्व, स्वालंभन, नवाचार, सृजन और अन्वेषकीय दृष्टि जागृत कर रहा है। इससे जुड़े विद्यार्थी शिक्षा के साथ राष्ट्र सेवा, समाज सेवा और जन जन के कल्याण के लिए सभी को प्रेरित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि निरंतर नवाचारों से स्वयं सेवक विश्वविद्यालय परिसर और ग्राम पंचायत में भी स्वच्छता पखवाड़ा और मतदाता जागरूकता पर वोट फॉर श्योर के प्रति जन जन को जागरूक कर रहे हैं। कार्यशाला की रूपरेखा रखते हुए कार्यक्रम समन्वयक राष्ट्रीय सेवा योजना डॉ. अखिलेश कुमार दुबे ने बताया कि यह कार्यशाला एक स्वच्छ एवं सशक्त राष्ट्र के निर्माण के लिए आयोजित की जा रही है। कार्यशाला के द्वितीय सत्र में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में समाजशास्त्र विभाग के सहायक आचार्य डॉ. प्रकाश प्रियदर्शी ने स्वयंसेवकों को स्वच्छता अभियान पर संबोधित करते हुए कहा कि स्वच्छता एक अच्छी आदत है। स्वच्छता से अच्छा स्वास्थ्य प्राप्त कर रुग्णता को दूर किया जा सकता है। स्वच्छ भारत अभियान दुनिया का सबसे बड़ा अभियान है जो कि प्रधानमंत्री द्वारा महात्मा गांधी जी को श्रद्धांजलि देने के लिए चलाया गया। मतदाता जागरूकता पर केंद्रित तीसरे सत्र में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में समाजशास्त्र के सहायक आचार्य डॉ. दीपेंद्र ने कहा कि मतदान लोकतंत्र की आधारशिला है और भारत के राजनीतिक परिदृश्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

राष्ट्र सेवा व व्यक्तित्व विकास का मार्ग प्रशस्त करता है रासेयो : कबीर

नाथ आपका संवाददाता

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना (रासेयो) के तत्वावधान व भारत सरकार के युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय तथा प्रदेश के उच्च शिक्षा विभाग के सहयोग से मंगलवार को आयोजित कार्यशाला में स्वच्छता और मतदाता जागरूकता पर मंथन किया गया। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के क्षेत्रीय निदेशक (उत्तर प्रदेश-उत्तराखंड) ए.एस. कबीर ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना राष्ट्र सेवा व व्यक्तित्व विकास का मार्ग प्रशस्त करता है। श्री कबीर ने कहा कि सरकार की योजना को धरातल पर क्रियान्वित करने के लिए समाज को जागरूक होना होगा। समाज की जागरूकता में युवाओं के महत्व को बताते हुए उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना विद्यार्थियों में आत्म चरित्र के साथ व्यक्तित्व, स्वालंभन, नवाचार, सृजन और

राष्ट्रीय सेवा योजना युवाओं को अंतर्निहित शक्तियों को पहचानने और उन्हें समाज हित में उपयोगी बनाना सिखा रहा है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना विद्यार्थियों में आत्म चरित्र के साथ व्यक्तित्व, स्वालंभन, नवाचार, सृजन और अन्वेषकीय दृष्टि जागृत कर रहा है। इससे जुड़े विद्यार्थी शिक्षा के साथ राष्ट्र सेवा, समाज सेवा और जन जन के कल्याण के लिए सभी को प्रेरित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि निरंतर नवाचारों से स्वयं सेवक विश्वविद्यालय परिसर और ग्राम पंचायत में भी स्वच्छता पखवाड़ा और मतदाता जागरूकता पर वोट फॉर श्योर के प्रति जन जन को जागरूक कर रहे हैं। कार्यशाला की रूपरेखा रखते हुए कार्यक्रम समन्वयक राष्ट्रीय सेवा योजना डॉ. अखिलेश कुमार दुबे ने बताया कि यह कार्यशाला एक स्वच्छ एवं सशक्त राष्ट्र के निर्माण के लिए आयोजित की जा रही है। कार्यशाला के द्वितीय सत्र में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में समाजशास्त्र विभाग के सहायक आचार्य डॉ. प्रकाश प्रियदर्शी ने स्वयंसेवकों को स्वच्छता अभियान पर संबोधित करते हुए कहा कि स्वच्छता एक अच्छी आदत है। स्वच्छता से अच्छा स्वास्थ्य प्राप्त कर रुग्णता को दूर किया जा सकता है। स्वच्छ भारत अभियान दुनिया का सबसे बड़ा अभियान है जो कि प्रधानमंत्री द्वारा महात्मा गांधी जी को श्रद्धांजलि देने के लिए चलाया गया। मतदाता जागरूकता पर केंद्रित तीसरे सत्र में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में समाजशास्त्र के सहायक आचार्य डॉ. दीपेंद्र ने कहा कि मतदान लोकतंत्र की आधारशिला है और भारत के राजनीतिक परिदृश्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। युवा मतदाता, देश के उन करोड़ों युवाओं के प्रतिनिधि हैं जो स्वर्णिम भारत के निर्माण में अपनी निर्णायक भूमिका निभाएंगे। गोरखपुर विश्वविद्यालय में विधि विभाग के सहायक आचार्य डॉ. वेद प्रकाश राय ने कहा कि प्रजातंत्र में युवा मतदाताओं की भूमिका अहम है। जब प्रत्येक मतदाता, मतदान के रूप में अपने अधिकार के साथ दायित्व और कर्तव्यों का पालन करेगा तभी सशक्त राष्ट्र का निर्माण संभव होगा।

कार्यशाला के समापन समारोह में मतदाता जागरूकता अभियान की जनपद नोडल अधिकारी डॉ तरन्नुम बानो ने बताया कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय ने शिक्षा के साथ अपने विद्यार्थियों को राष्ट्र हित में जागरूक मतदाता का शत प्रतिशत रिकॉर्ड पूरा किया है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डर.प्रदीप कुमार राव, प्रशासनिक अधिष्ठाता डॉ राजेंद्र भारती, नर्सिंग कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ. डीएस अजीथा, साहित्यकार डॉ. वेद प्रकाश पांडेय, कार्यक्रम अधिकारी डॉ विकास कुमार यादव, धनंजय पांडेय, प्रो सुनील सिंह, डॉ विमल दुबे, डॉ रोहित श्रीवास्तव, प्रज्ञा पांडेय, डॉ संदीप श्रीवास्तव समेत बड़ी संख्या में रासेयो के प्रतिभागी स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

राष्ट्र सेवा व व्यक्तित्व विकास का मार्ग प्रशस्त करता है रासेयो -कबीर

गोरखपुर,९ अप्रैल। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना रासेयो के तत्वावधान व भारत सरकार के युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय तथा प्रदेश के उच्च शिक्षा विभाग के सहयोग से मंगलवार को आयोजित कार्यशाला में स्वच्छता और मतदाता जागरूकता पर मंथन किया गया। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के क्षेत्रीय निदेशक उत्तर प्रदेश,उत्तराखंड ए.एस.कबीर ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना राष्ट्र सेवा व व्यक्तित्व विकास का मार्ग प्रशस्त करता है।

श्री कबीर ने कहा कि सरकार की योजना को धरातल पर क्रियान्वित करने के लिए समाज को जागरूक होना होगा। समाज की जागरूकता में युवाओं के महत्व को बताते हुए उन्होंने कहा कि युवा शक्ति ही देश देश की प्रगति और विकास का मुख्य आधार है। राष्ट्रीय सेवा योजना युवाओं को अंतर्निहित शक्तियों को पहचानने और उन्हें समाज हित में उपयोगी बनाना सिखा रहा है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ.अतुल वाजपेयी ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना विद्यार्थियों में आत्म चरित्र के साथ व्यक्तित्व, स्वालंभन,नवाचार, सृजन और अन्वेषकीय दृष्टि जागृत कर रहा है। इससे जुड़े विद्यार्थी शिक्षा के साथ राष्ट्र सेवा,समाज सेवा और जन जन के कल्याण के लिए सभी को प्रेरित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि निरंतर नवाचारों से स्वयं सेवक विश्वविद्यालय परिसर और ग्राम पंचायत में भी स्वच्छता पखवाड़ा और मतदाता जागरूकता पर वोट फॉर श्योर के प्रति जन जन को जागरूक कर रहे हैं। कार्यशाला की रूपरेखा रखते हुए कार्यक्रम समन्वयक राष्ट्रीय सेवा योजना डॉ.अखिलेश कुमार दुबे ने बताया कि यह कार्यशाला एक स्वच्छ एवं सशक्त राष्ट्र के निर्माण के लिए आयोजित की जा रही है।

कार्यशाला के द्वितीय सत्र में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में समाजशास्त्र विभाग के सहायक आचार्य डॉ.प्रकाश प्रियदर्शी ने स्वयंसेवकों को स्वच्छता अभियान पर संबोधित करते हुए कहा कि स्वच्छता एक अच्छी आदत है। स्वच्छता से अच्छा स्वास्थ्य प्राप्त कर रुग्णता को दूर किया जा सकता है। स्वच्छ भारत अभियान दुनिया का सबसे बड़ा अभियान है जो कि प्रधानमंत्री द्वारा महात्मा गांधी जी को श्रद्धांजलि देने के लिए चलाया गया। मतदाता जागरूकता पर केंद्रित तीसरे सत्र में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में समाजशास्त्र के सहायक आचार्य डॉ.दीपेंद्र ने कहा कि मतदान लोकतंत्र की आधारशिला है और भारत के राजनीतिक परिदृश्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। युवा मतदाता, देश के उन करोड़ों युवाओं के प्रतिनिधि हैं जो स्वर्णिम भारत के निर्माण में अपनी निर्णायक भूमिका निभाएंगे। गोरखपुर विश्वविद्यालय में विधि विभाग के सहायक आचार्य डॉ. वेद प्रकाश राय ने कहा कि प्रजातंत्र में युवा मतदाताओं की भूमिका अहम है। जब प्रत्येक मतदाता, मतदान के रूप में अपने अधिकार के साथ दायित्व और कर्तव्यों का पालन करेगा तभी सशक्त राष्ट्र का निर्माण संभव होगा।

कार्यशाला के समापन समारोह में मतदाता जागरूकता अभियान की जनपद नोडल अधिकारी डॉ तरन्नुम बानो ने बताया कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय ने शिक्षा के साथ अपने विद्यार्थियों को राष्ट्र हित में जागरूक मतदाता का शत प्रतिशत रिकॉर्ड पूरा किया है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डर.प्रदीप कुमार राव, प्रशासनिक अधिष्ठाता डॉ राजेंद्र भारती, नर्सिंग कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ. डीएस अजीथा, साहित्यकार डॉ. वेद प्रकाश पांडेय, कार्यक्रम अधिकारी डॉ विकास कुमार यादव, धनंजय पांडेय, प्रो सुनील सिंह, डॉ विमल दुबे,डॉ रोहित श्रीवास्तव, प्रज्ञा पांडेय,डॉ संदीप श्रीवास्तव समेत बड़ी संख्या में रासेयो के प्रतिभागी स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

राष्ट्र सेवा का संकल्प लें कैडेट्सः रॉसन

स्वतंत्र भारत संवाददाता

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) 102 यूपी बटालियन के कैडेट्स के लिए शनिवार को शैक्षणिक व्याख्यान का आयोजन किया गया। रक्षा क्षेत्र में भविष्य की संभावनाएं और चुनौतियां विषय पर वायु सेना के सेवानिवृत वारंट ऑफिसर निर्मल सी. रॉसन ने कैडेट्स का मार्गदर्शन किया।

श्री रॉसन ने कैडेट्स को प्रोत्साहित करते हुए कहा किरक्षा क्षेत्र में अनंत संभावनाएं हैं। सैन्य सेवा के लिए ऊंचा लक्ष्य, जुनून, अनुशासन, आत्मविश्वास और समय का पाबंद, मूल मंत्र है। कैडेट्स अभी से अपने जीवन के लक्ष्य के प्रति सजग और जागरूक रहें। लक्ष्य के प्रति सदैव तत्पर रहें। आपकी उत्सुकता ही

आपको जीवन में लक्ष्य के प्रति प्रेरित करेगी। उन्होंने कहा कि इजराइल में हर नागरिक को 5 वर्ष फौज में नौकरी करना अनिवार्य है। इस अवसर पर विषय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित डॉ. आशीष श्रीवास्तव ने कहा कि एनसीसी सैन्य अनुशासन और साहसिक प्रशिक्षण की प्रेरणा देता है। एनसीसी प्रशिक्षण न केवल आपको जीवन में एक अधिक अनुशासित और जिम्मेदार व्यक्ति बनाता है बल्कि आपके व्यक्तित्व, चरित्र व गुण का भी विकास करता है। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के आयुर्वेद कॉलेज के डॉ. शांति भूषण हंडोइ एवं एनसीसी एएनओ डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने विशेषज्ञों का स्मृति स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया। कैडेट्स के लिए व्याख्यान पर कुलपति मेजर जनरल (डॉ) अतुल वाजपेयी, कुलसचिव डॉ.प्रदीप कुमार राव ने शुभकामनाएं दीं।

सैन्य सेवा से राष्ट्र सेवा का संकल्प लें कैडेट्स

गोरखपुर। (स्पष्ट आवाज)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) 102 यूपी बटालियन के कैडेट्स के लिए शनिवार को शैक्षणिक व्याख्यान का आयोजन किया गया। रक्षा क्षेत्र में भविष्य की संभावनाएं और चुनौतियां विषय पर वायु सेना के सेवानिवृत वारंट ऑफिसर निर्मल सी. रॉसन ने कैडेट्स का मार्गदर्शन किया।

श्री रॉसन ने कैडेट्स को प्रोत्साहित करते हुए कहा किरक्षा क्षेत्र में अनंत संभावनाएं हैं। सैन्य सेवा के लिए ऊंचा लक्ष्य, जुनून,

अनुशासन, आत्मविश्वास और समय का पाबंद, मूल मंत्र है। कैडेट्स अभी से अपने जीवन के लक्ष्य के प्रति सजग और जागरूक रहें। लक्ष्य के प्रति सदैव तत्पर रहें। आपकी उत्सुकता ही आपको जीवन में लक्ष्य के प्रति प्रेरित करेगी। उन्होंने कहा कि इजराइल में हर नागरिक को 5 वर्ष फौज में नौकरी करना अनिवार्य है। भारत में थल सेना, वायु सेना और जल सेना के विविध विंग्स में ढेर सारे द्वार खुले हुए हैं। आप सैन्य सेवा से राष्ट्र सेवा का संकल्प लें। सैन्य सेवा के आत्मविश्वास से सैनिक कभी रिटायर नहीं होता, सामाजिक सेवा से राष्ट्र सेवा का जज्बा सदैव जिंदा रहता है। एनसीसी का प्रशिक्षण सैन्य सेवा के लिए प्रेरणादायक है।

इस अवसर पर विषय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित डॉ. आशीष श्रीवास्तव ने कहा कि एनसीसी सैन्य अनुशासन और साहसिक प्रशिक्षण की प्रेरणा देता है। एनसीसी प्रशिक्षण न केवल आपको जीवन में एक अधिक अनुशासित और जिम्मेदार व्यक्ति बनाता है बल्कि आपके व्यक्तित्व, चरित्र व गुण का भी विकास करता है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय कैडेट कोर ने स्कूली शिक्षा से विद्यार्थियों को सैन्य सेवा के लिए तैयार करने का चुनौतीपूर्ण कार्य किया है। सैन्य सेवा के लिए एनडीए, आईएमए, नेवल एकेडेमी, शॉर्ट्स सर्विस कमीशन, टेरिटोरियल आर्मी, आर्मी मेडिकल कोर्प्स, आर्मी पोस्टल सर्विस, एनसीसी स्पेशल एंट्री स्कीम, आईटीबीपी, सीआरपीएफ, सीआईएसएफ आदि में कैडेट्स को सुनहरा मौका मिलता है। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के आयुर्वेद कॉलेज के डॉ. शांति भूषण हंडोइ एवं एनसीसी एएनओ डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने विशेषज्ञों का स्मृति स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया। कैडेट्स के लिए व्याख्यान पर कुलपति मेजर जनरल (डॉ) अतुल वाजपेयी, कुलसचिव डॉ.प्रदीप कुमार राव ने शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर बड़ी संख्या में कैडेट्स उपस्थित रहे।

सैन्य सेवा से राष्ट्र सेवा का संकल्प लें कैडेट्स: रॉसन

गोरखपुर (एसएनबी)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में एनसीसी 102 यूपी बटालियन के कैडेट्स के लिए शनिवार को शैक्षणिक व्याख्यान का आयोजन किया गया। 'रक्षा क्षेत्र में भविष्य की संभावनाएं और चुनौतियां' विषय पर वायु सेना के सेवानिवृत वारंट आफिसर निर्मल सी रसन ने कैडेट्स का मार्गदर्शन किया।

श्री रसन ने कहा कि रक्षा क्षेत्र में अनंत संभावनाएं हैं। सैन्य सेवा के लिए ऊंचा लक्ष्य, जुनून, अनुशासन आत्मविवास के साथ ही साथ समय का पाबंद होना ही मूल मंत्र है। कैडेट्स अभी से अपने जीवन के लक्ष्य के प्रति सजग और जागरूक रहें तथा लक्ष्य के प्रति सदैव तत्पर रहें। आपकी उत्सुकता ही आपको जीवन में लक्ष्य के प्रति प्रेरित करेगी। उन्होंने कहा कि इजराइल में हर नागरिक को 5 वर्ष फौज में नौकरी करना अनिवार्य है। भारत में थल सेना, वायु सेना और जल सेना के विविध विंग्स में ढेर सारे द्वार खुले हुए हैं। आप सैन्य सेवा से राष्ट्र सेवा का संकल्प लें।

■ महायोगी गोरखनाथ विवि में एनसीसी कैडेट्स के लिए शैक्षणिक व्याख्यान

सैन्य सेवा के आत्मविवास से सैनिक कभी रिटायर नहीं होता, सामाजिक सेवा से राष्ट्र सेवा का जज्बा सदैव जिंदा रहता है। एनसीसी का प्रशिक्षण सैन्य सेवा के लिए प्रेरणादायक है। विषय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित डा. आशीष श्रीवास्तव ने कहा कि एनसीसी सैन्य अनुशासन और साहसिक प्रशिक्षण की प्रेरणा देता है। एनसीसी प्रशिक्षण न केवल आपको जीवन में एक अधिक अनुशासित और जिम्मेदार व्यक्ति बनाता है बल्कि आपके व्यक्तित्व, चरित्र व गुण का भी विकास करता है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय कैडेट कोर ने स्कूली शिक्षा से छात्रों को सैन्य सेवा के लिए तैयार करने का चुनौतीपूर्ण कार्य किया है। महायोगी गोरखनाथ विवविद्यालय के आयुर्वेद कालेज के डा. शांति भूषण हंडोइ एवं एनसीसी एएनओ डा. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने विशेषज्ञों का स्मृति स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया।

रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन

गोरखपुर (एसएनबी)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में मतदाता जागरूकता अभियान के तहत बुधवार को रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन आयुर्वेद कालेज के प्रार्थना सभागार में संपन्न हुआ। इस दौरान प्रतिभागियों ने रंग, अबीर-गुलाल से विविध आतियों को उकेर कर युवा मतदाताओं को आकर्षित किया।

चलो मतदान करें और वोट फार श्योर पर केंद्रित रंगोली प्रतियोगिता में सभी विभागों से दो दर्जन से ज्यादा प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में निर्णायक, सहायक आचार्य डा. आशुतोष श्रीवास्तव ने कहा कि सशक्त लोकतंत्र के निर्माण में जिम्मेदार नागरिक के रूप में हम सभी को वोट के प्रति सतर्क और जागरूक रहना है। एक-एक वोट से सरकार का निर्माण होता है। मत का अधिकार हमारा मौलिक

मतदाता जागरूकता अभियान

अधिकार है। निर्णायक मंडल की कृषि संकाय विभाग की सहायक आचार्य डा. सासेती प्रेमकुमारी ने कहा कि लोकतंत्र के त्यौहार में मतदाता बनकर अच्छी सरकार चुनने का अधिकार आप सभी को मिल रहा है। युवा मतदाता के रूप में आपकी जिम्मेदारी महत्वपूर्ण है। आयोजन मतदाता जागरूकता अभियान के स्वीप नोडल अधिकारी डा. संदीप कुमार श्रीवास्तव की देखरेख में हुआ। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डा. अखिलेश दूबे, कार्यक्रम अधिकारी डा. विकास कुमार यादव, धनन्जय पाण्डेय, पूजा जायसवाल, नंदनी जायसवाल,छात्र संसद के अध्यक्ष रंजीत शर्मा, मतदाता साक्षरता क्लब के ब्रांड एम्बेसडर शिवम कुमार पाण्डेय आदि मौजूद रहे।

मतदाता जागरूकता अभियान के तहत भाषण प्रतियोगिता का आयोजन

लोक भारती न्यूज ब्यूरो

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में मतदाता जागरूकता अभियान के द्वितीय चरण में भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें करीब दो दर्जन प्रतिभागियों ने लोकतंत्र में मतदान का महत्व और आओ मिलकर हम सब मतदान करें विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। स्वीप नोडल अधिकारी डॉ संदीप कुमार श्रीवास्तव ने भाषण प्रतियोगिता में युवा मतदाताओं को जागरूक करते हुए कहा कि लोकतंत्र में सक्रिय भागीदारी के लिए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के युवा मतदाता उत्साहित हैं। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में शामिल सहायक आचार्य डॉ. अवेद्यानाथ सिंह ने कहा कि सशक्त लोकतंत्र के निर्माण में जिम्मेदार नागरिक के रूप में हम सभी को वोट के प्रति सतर्क और जागरूक रहना है। मत का अधिकार हमारा मौलिक अधिकार है। सहायक आचार्य डॉ. किरण कुमार ने मतदाताओं को जागरूक करते हुए कहा कि 18वीं लोकसभा चुनाव में वोटिंग के ग्राफ को शत प्रतिशत करने का प्रयास हम सभी को मिलजुल कर करना होगा। भारत में 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले 40 प्रतिशत युवा मतदाता पंजीकृत हुए हैं। भाषण प्रतियोगिता में अंशिका सिंह, अर्चना कुमारी, अनुभव, आशीष दूबे, सूरज यादव, निखिल प्रकाश पांडेय, उज्ज्वल पाठक, अमन यादव, नम्रता शर्मा, उत्कर्ष सिंह, निखिल प्रकाश, अभिषेक ओझा आदि ने अपनी बात रखी। संचालन खुशी गुप्ता ने किया। निर्णायक मंडल ने उत्कर्ष सिंह को प्रथम, आशीष दूबे को द्वितीय और आशिक को तृतीय पुरस्कार के लिए चयनित किया।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय कैडेट कोर के कैडेट्स सैन्य प्रशिक्षण शिविर में हुए सम्मिलित

(राजेश गुप्ता)

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के राष्ट्रीय कैडेट कोर के कैडेट्स दस दिवसीय सैन्य प्रशिक्षण शिविर में सम्मिलित होकर राष्ट्र सेवा का संकल्प लेंगे। 102 यू पी बटालियन द्वारा आयोजित संयुक्त वार्षिकी प्रशिक्षण शिविर समेकित विशेष माध्यमिक विद्यालय, धनेवा –धनेई ,महाराजगंज में राष्ट्रीय कैडेट कोर के 31कैडेट्स सैन्य प्रशिक्षण शिविर में सम्मिलित हुए। कुलपति मेजर जनरल डॉ अतुल बाजपई और कुलसचिव डॉ प्रदीप कुमार राव जी शुभाशीष दिया। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के 102 यू पी एनसीसी यूनिट का नेतृत्व कर रहे ए. एन.ओ डॉ संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि कैडेट्स के सैन्य प्रशिक्षण शिविर से कैडेट्स मे अनुशासन, आत्मविश्वास, राष्ट्र सेवा का भाव जाग्रत होगा। शिविर में कुशल प्रशिक्षको द्वारा सैन्य प्रशिक्षण के विविध गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। कैडेट्स को रवाना होने से पूर्व संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय

के अधिष्ठाता प्रो सुनील कुमार सिंह ने शुभकामना देते हुए कहा कि एनसीसी अनुशासन के साथ आत्मविश्वास कुशल नेतृत्व, सैन्य और राष्ट्र सेवा की प्रेरणा देता है । निश्चय ही प्रशिक्षण शिविर से कैडेट्स में व्यक्तित्व का विकास होगा और देश सेवा के लिए इन्हें प्रेरणा मिलेगी। कृषि विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता डॉ विमल कुमार दुबे ने कैडेट्स को शुभकामना देते हुए कहा कि सैन्य प्रशिक्षण शिविर से कैडेट्स सैन्य सेवा के लिए स्वयं को तैयार करेंगे महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कैडेट्स शिविर में अपनी बहुमुखी प्रतिभा से विभिन्न प्रतियोगिताओं में सम्मिलित होकर उत्कृष्ट प्रदर्शन करेंगे। कैम्प में नेतृत्व सीनियर अंडर आफिसर सागर जायसवाल , अंडर आफिसर मोतीलाल , अंडर आफिसर अंशिका सिंह , खुशी गुप्ता , आंचल पाठक, श्रद्धा उपाध्याय,दरक्षा बानो, साक्षी प्रजापति , शालनी चौहान, अमृता कनौजिया , गौरी कुशवाहा, निकिता गौंड, पूजा सिंह, संजना शर्मा, अस्मिता सिंह, अनुष्का गुप्ता , चांदनी निषाद , अभिषेक चौरसिया, आदित्य विश्वकर्मा , अमित कुमार चौधरी, अनुभव, आशुतोष मणि त्रिपाठी, भानु प्रताप सिंह, ह्रश्व कुमार साहनी, कृष्णा त्रिपाठी, प्रियेश राम त्रिपाठी, सागर यादव, शिवम सिंह, आशुतोष सिंह शिविर में सम्मिलित हुए। कैडेट्स को शिविर मे सम्मिलित होने से पूर्व सभी प्राचार्य , अधिष्ठाता एवं शिक्षकगण ने शुभकामना दिया।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के एनसीसी कैडेट्स सैन्य प्रशिक्षण शिविर में हुए सम्मिलित

स्वतंत्र चेतना

नगर संवाददाता/ गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के राष्ट्रीय कैडेट कोर के कैडेट्स दस दिवसीय सैन्य प्रशिक्षण शिविर में सम्मिलित होकर राष्ट्र सेवा का संकल्प लेंगे।

102 यू पी बटालियन द्वारा आयोजित संयुक्त वार्षिकी प्रशिक्षण शिविर समेकित विशेष माध्यमिक विद्यालय, धनेवा –धनेई ,महाराजगंज में राष्ट्रीय कैडेट कोर के 31कैडेट्स सैन्य प्रशिक्षण शिविर में सम्मिलित हुए। कुलपति मेजर जनरल डॉ अतुल बाजपई और कुलसचिव डॉ प्रदीप कुमार राव जी शुभाशीष दिया। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के 102 यू पी एनसीसी यूनिट का नेतृत्व कर रहे ए .एन .ओ डॉ संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि कैडेट्स के सैन्य प्रशिक्षण शिविर से कैडेट्स मे अनुशासन, आत्मविश्वास, राष्ट्र सेवा का भाव जाग्रत होगा। शिविर में कुशल प्रशिक्षको द्वारा सैन्य प्रशिक्षण के विविध गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

कैडेट्स को रवाना होने से पूर्व संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो सुनील कुमार सिंह ने शुभकामना देते हुए कहा कि एनसीसी अनुशासन के साथ आत्मविश्वास कुशल नेतृत्व, सैन्य और राष्ट्र सेवा की प्रेरणा देता है । निश्चय ही प्रशिक्षण शिविर से कैडेट्स में व्यक्तित्व का विकास होगा और देश सेवा के लिए इन्हें प्रेरणा मिलेगी।

कृषि विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता डॉ विमल कुमार दुबे ने कैडेट्स को शुभकामना देते हुए कहा कि सैन्य प्रशिक्षण शिविर से कैडेट्स सैन्य सेवा के लिए स्वयं को तैयार करेंगे ।

सैन्य प्रशिक्षण शिविर में शामिल हुए कैडेट

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के कैडेट्स 10 दिवसीय सैन्य प्रशिक्षण शिविर में शामिल होकर राष्ट्र सेवा का संकल्प लेंगे। 102 यूपी बटालियन की ओर से आयोजित संयुक्त वार्षिकी प्रशिक्षण शिविर समेकित विशेष माध्यमिक विद्यालय, धनेवा-धनेई, महाराजगंज में 31 कैडेट सैन्य प्रशिक्षण शिविर में मंगलवार को शामिल हुए।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के 102 यूपी एनसीसी यूनिट का नेतृत्व कर रहे एएनओ डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि कैडेट के सैन्य प्रशिक्षण शिविर से अनुशासन, आत्मविश्वास, राष्ट्र सेवा का भाव जाग्रत होगा। पूर्व कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल बाजपेई, कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, प्रो सुनील कुमार सिंह ने शुभकामना देते हुए अनुशासन में रहकर राष्ट्र सेवा की प्रेरणा दी।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय कैडेट कोर के कैडेट्स सैन्य प्रशिक्षण शिविर में हुए सम्मिलित

संवाददाता

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के राष्ट्रीय कैडेट कोर के कैडेट्स दस दिवसीय सैन्य प्रशिक्षण शिविर में सम्मिलित होकर राष्ट्र सेवा का संकल्प लेंगे। 102 यू पी बटालियन द्वारा आयोजित संयुक्त वार्षिकी प्रशिक्षण शिविर समेकित विशेष माध्यमिक विद्यालय, धनेवा –धनेई ,महाराजगंज में राष्ट्रीय कैडेट कोर के 31कैडेट्स सैन्य प्रशिक्षण शिविर में सम्मिलित हुए। कुलपति मेजर जनरल डॉ अतुल बाजपई और कुलसचिव डॉ प्रदीप कुमार राव जी शुभाशीष दिया। महायोगी गोरखनाथ से कैडेट्स मे अनुशासन, स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधि

विश्वविद्यालय गोरखपुर के 102 यू पी एनसीसी यूनिट का नेतृत्व कर रहे ए .एन .ओ डॉ संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि कैडेट्स के सैन्य प्रशिक्षण शिविर आत्मविश्वास, राष्ट्र सेवा का भाव जाग्रत होगा। शिविर मे कुशल प्रशिक्षको द्वारा सैन्य प्रशिक्षण के विविध गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। होने से पूर्व संबद्ध ष्ठाता प्रो सुनील कुमार सिंह ने शुभकामना देते हुए कहा कि एनसीसी अनुशासन के साथ आत्मविश्वास कुशल नेतृत्व, सैन्य और राष्ट्र सेवा की प्रेरणा देता है । निश्चय ही प्रशिक्षण शिविर से कैडेट्स में व्यक्तित्व का विकास होगा और देश सेवा के लिए इन्हें प्रेरणा मिलेगी। कृषि विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता डॉ विमल कुमार दुबे ने कैडेट्स को शुभकामना देते हुए कहा कि सैन्य प्रशिक्षण शिविर से कैडेट्स सैन्य सेवा के लिए स्वयं को तैयार करेंगे । महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कैडेट्स शिविर उत्कृष्ट प्रदर्शन करेंगे। कैम्प मे आंचल पाठक, श्रद्धा उपाध्याय,दरक्षा बानो, साक्षी प्रजापति , शालनी चौहान, अमृता कनौजिया , गौरी कुशवाहा, निकिता गौंड, पूजा सिंह, संजना शर्मा, अस्मिता सिंह, अनुष्का गुप्ता , चांदनी निषाद , अभिषेक चौरसिया, आदित्य विश्वकर्मा , अमित कुमार चौधरी, अनुभव, आशुतोष मणि त्रिपाठी, भानु प्रताप सिंह, ह्रश्व कुमार साहनी , कृष्णा त्रिपाठी, प्रियेश राम त्रिपाठी, सागर यादव, शिवम सिंह , आशुतोष सिंह शिविर मे सम्मिलित हुए। कैडेट्स को शिविर मे सम्मिलित होने से पूर्व सभी प्राचार्य, अधिष्ठाता एवं शिक्षकगण ने शुभकामना दिया।

सैन्य प्रशिक्षण शिविर में सम्मिलित होंगे एनसीसी कैडेट

गोरखपुर, अमृत विचार। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के राष्ट्रीय कैडेट कोर के कैडेट्स दस दिवसीय सैन्य प्रशिक्षण शिविर में सम्मिलित होकर राष्ट्र सेवा का संकल्प लेंगे। 102 यू पी बटालियन द्वारा आयोजित संयुक्त वार्षिकी प्रशिक्षण शिविर समेकित विशेष माध्यमिक विद्यालय, धनेवा –धनेई ,महाराजगंज में राष्ट्रीय कैडेट कोर के 31कैडेट्स सैन्य प्रशिक्षण शिविर में सम्मिलित हुए। कुलपति मेजर जनरल डॉ अतुल बाजपेई और कुलसचिव डॉ प्रदीप कुमार राव ने शुभाशीष दिया। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के 102 यू पी एनसीसी यूनिट का नेतृत्व कर रहे ए . एन .ओ डॉ संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि कैडेट्स के सैन्य प्रशिक्षण शिविर से कैडेट्स मे अनुशासन, आत्मविश्वास, राष्ट्र सेवा का भाव जाग्रत होगा। शिविर में कुशल प्रशिक्षको द्वारा सैन्य प्रशिक्षण के विविध गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। कैडेट्स को रवाना होने से पूर्व संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो सुनील कुमार सिंह ने शुभकामना देते हुए कहा कि एनसीसी अनुशासन के साथ आत्मविश्वास कुशल नेतृत्व, सैन्य और राष्ट्र सेवा की प्रेरणा देता है ।

कैडेट्स ने फायरिंग में दिखाए कौशल, बटालियन ने दिया पुरस्कार

एनसीसी गोरखपुर ग्रुप हेड क्वार्टर के ब्रिगेडियर दीपेंद्र रावत ने प्रशिक्षण शिविर का किया निरीक्षण

संवाद न्यूज एजेंसी

महराजगंज। राष्ट्रीय कैडेट कोर के 102 यूपी बटालियन की ओर से समेकित विशेष माध्यमिक विद्यालय धनेवा, धनेही में संयुक्त प्रशिक्षण शिविर आयोजित हुआ। एनसीसी गोरखपुर ग्रुप हेड क्वार्टर के ब्रिगेडियर दीपेंद्र रावत ने वार्षिक प्रशिक्षण शिविर का औचक निरीक्षण किया।

शिविर में 11 वीं बटालियन का प्रतिभाग कर रहे टीम के कैडेट्स का फायरिंग प्रशिक्षण देखकर कैडेट्स को फायरिंग की तकनीकी जानकारी देकर प्रोत्साहित किया।

शिविर में प्रतिभाग कर रहे 600 कैडेटों से रूबरू हुए और एनसीसी के प्रति समर्पण एकता और अनुशासन की पाठशाला में राष्ट्र सेवा के लिए जागरूक किया।

शिविर में एनसीसी निदेशालय नई दिल्ली की ओर से उत्कृष्ट कैडेटों में अनुज राव, अमृता राव, अंकिता वर्मा, सिंपल, प्रमोद, शिवम को एनसीसी छात्रवृति चेक से सम्मानित किया गया। निश्चल राणा और शिवम को बेस्ट कैडेट की श्रेणी में 6000 और 4500 रुपये का चेक प्रदान कर प्रोत्साहित किया। वोट फॉर श्योर पर केंद्रित फ्लैग एरिया, हेरिटेज एग्जिबिशन का अवलोकन कर कैडेट्स के रख-रखाव, खानपान का निरीक्षण किया।

एनसीसी कैडेट्स को स्कालरशिप राशि देकर सम्मानित किया। स्रोत-आयोजक

धरोहर छायाचित्रों को प्रदर्शित किया गया

सामाजिक सांस्कृतिक दायित्व से साक्षात्कार कराने के लिए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के एएनओ डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव द्वारा धरोहर छायाचित्रों को धरोहर संकल्प गैलरी में प्रदर्शित किया गया। जहां प्राचीन वास्तु कला की धूप छाव में खींचे गए तस्वीरों से भारत की प्राचीन वैभव का दर्शन देख कर कैडेट्स आह्लादित हो रहे हैं। एएनओ डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि धरोहर के संरक्षण और संवर्धन के लिए वर्षों से जन जन को कार्यशाला व प्रदर्शनी के माध्यम से जागरूक करने का प्रयास किया जा रहा है।

रंगोली में वोट फॉर श्योर की दिव्यता का हुआ दर्शन

कर्नल अखिलेश मिश्रा ने कहा कि राष्ट्रीय कैडेट कोर अनुशासन और सामाजिक सेवा के मूल्यों को आत्मसात करने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। लोकसभा चुनाव में युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने और जन जन को वोट के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से फ्लैग एरिया को मतदान महादान के विषय पर केंद्रित किया गया है। श्री डी मांडल में बनाए गए रंगोली में वोट फॉर श्योर की दिव्यता का दर्शन हुआ है। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के एनसीसी एएनओ डॉ.संदीप कुमार श्रीवास्तव के कला निर्देशन में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कैडेट्स साक्षी प्रजापति ने सहयोग किया।

अमर उजाला महराजगंज युवा

कैडेट्स ने फायरिंग के गुर सीखे

एनसीसी में सैन्य, शस्त्र और मैप का प्रशिक्षण महत्वपूर्ण : कर्नल अखिलेश

संवाद न्यूज एजेंसी

महराजगंज। राष्ट्रीय कैडेट कोर के 102 यूपी बटालियन की ओर से समेकित विशेष माध्यमिक विद्यालय धनेवा, धनेई महराजगंज में आयोजित संयुक्त प्रशिक्षण शिविर में एनसीसी कैडेट्स ने सटीक निशाना लगाकर एक गोली एक दुश्मन के फॉर्मूले को आत्मसात किया।

शिविर में कैंप कमांडेड कर्नल अखिलेश मिश्रा ने कैडेट्स को सैन्य प्रशिक्षण जीवन से परिचित कराते हुए कहा कि एनसीसी में सैन्य, शस्त्र और मैप का प्रशिक्षण बहुत ही महत्वपूर्ण है।

नेशनल कैडेट कोर भारतीय युवा में राष्ट्रीय आत्मनिर्भरता, सेवा भावना, और सैन्य नौकरियों के प्रति उत्साह को बढ़ाने का काम करता है। कर्नल अखिलेश मिश्रा ने कहा राष्ट्रीय कैडेट कोर अनुशासन, और सामाजिक सेवा के मूल्यों को आत्मसात करने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है।

लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह ने कहा कि शस्त्र शिक्षा भी एनसीसी का एक अहम हिस्सा है, क्योंकि यह छात्रों को शस्त्रों का सही तरीके से प्रयोग करने की कला सिखाता है। लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह ने कहा कि अपनी आत्म क्षमता को पहचानिए। आप के शक्ल सूरत मायने नहीं रखती।

समेकित विद्यालय में एनसीसी के प्रशिक्षण में दौड़ लगाती कैडेट्स। संवाद

एनसीसी शिविर में कैडेट्स ने सीखा एक गोली एक दुश्मन का गुण

महराजगंज (स्पष्ट आवाज)। राष्ट्रीय कैडेट कोर के 102 यूपी बटालियन द्वारा समेकित विशेष माध्यमिक विद्यालय धनेवा धनेई महराजगंज में आयोजित संयुक्त प्रशिक्षण शिविर में एनसीसी कैडेट्स ने सटीक निशाना लगाकर एक गोली एक दुश्मन के फॉर्मूले को आत्मसात किया।

शिविर में कैम्प कमांडेड कर्नल अखिलेश मिश्रा ने कैडेट्स को सैन्य प्रशिक्षण जीवन से परिचित कराते हुए कहा कि एनसीसी में सैन्य, शस्त्र और मैप का प्रशिक्षण बहुत ही महत्वपूर्ण है। नेशनल कैडेट कोर भारतीय युवा में राष्ट्रीय आत्मनिर्भरता, सेवा भावना, और सैन्य नौकरियों के प्रति उत्साह को बढ़ाने का काम करता है। इसका मुख्य उद्देश्य छात्रों और छात्राओं में शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक विकास को प्रोत्साहित करना है। एनसीसी का प्रमुख लक्ष्य युवा पीढ़ी को सैन्य जीवन के महत्वपूर्ण तत्वों की समझ और समर्थन प्रदान करना है, जो उन्हें देश सेवा के क्षेत्र में उनके योगदान को बढ़ाने में मदद कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि एनसीसी में छात्रों को सैन्य तकनीकों, संरचना और संगठन की जानकारी प्रदान करता है। सैन्य शिक्षा उन्हें युद्ध क्षेत्र में नियमितता, संगठन, और विश्वास को विकसित करने में मदद करती है। इसके अलावा, यह छात्रों को समर्थ बनाता है कि वे आपात स्थितियों में ठीक तरीके से कैसे प्रतिक्रिया करें और सैन्य तैयारी में उनकी क्षमता को बढ़ा सके।

कर्नल अखिलेश मिश्रा ने कहा कि राष्ट्रीय कैडेट कोर अनुशासन और सामाजिक सेवा के मूल्यों को आत्मसात करने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। एनसीसी राष्ट्र निर्माण में जाति, धर्म, संस्कृति के भाव से ऊपर उठकर एकता और अनुशासन के भाव से एक श्रेष्ठ नागरिक होने का जज्बा जाग्रत करती है। लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह ने कहा कि शस्त्र शिक्षा भी एनसीसी का एक अहम हिस्सा है। क्योंकि यह छात्रों को शस्त्रों का सही तरीके से प्रयोग करने की कला सिखाता है। यह उन्हें शस्त्रों के प्रकार, उपयोग और सुरक्षा के नियमों की समझ दिलाता है, जो उन्हें स्वयं की सुरक्षा और अन्यों की सहायता करने में मदद करता है। इसके अलावा, शस्त्र शिक्षा छात्रों को सशक्त बनाती है और उन्हें स्वतंत्रता का एहसास कराती है कि वे खुद को संरक्षित रख सकते हैं।

मैप रीडिंग और नेविगेशन की जानकारी भी एक महत्वपूर्ण कौशल है जो एनसीसी के माध्यम से सिखाया जाता है। मैप रीडिंग और नेविगेशन का ज्ञान छात्रों को युद्ध क्षेत्र में निर्देशित करने में मदद करता है और उन्हें अनजान या अज्ञात क्षेत्रों में सुरक्षित रहने में सहायक होता है। शिविर में व्यक्तित्व विकास पर लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह ने कहा कि अपनी आत्म क्षमता को पहचानिए आपके शक्ल सूरत मायने नही रखती आप का रचनात्मक और सृजन बौद्धिक कार्य आपको औरों से अलग करता है। शिविर में ग्यारह बटालियन के कैडेटस फायरिंग का प्रशिक्षण कुशल सैन्य अधिकारियो कैडेट्स को फायरिंग की तकनीकी जानकारी देकर प्रोत्साहित कर रहे हैं।

शिविर में कैडेट्स सीनियर अंडर ऑफिसर सागर जायसवाल, अंडर आफिसर अंशिका सिंह, सार्जेंट खुशी गुप्ता, सीनियर अंडर ऑफिसर दीपाली यादव , सीनियर अंडर ऑफिसर महिमा चौधरी, साहिल यादव कैंप को संचालित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। शिविर में क्वार्टर गार्ड , वोट फॉर श्योर पर केंद्रित फ्लैग एरिया, हेरिटेज एग्जिबिशन, सांस्कृतिक प्रतियोगिता, टग आफ वार, ट्रेजर हंट, क्विज और वाद विवाद प्रतियोगिता से कैडेट्स सैन्य जीवन से जुड़ने की प्रेरणा ग्रहण कर रहे है।

शिविर में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के ए. एन. ओ डॉ संदीप कुमार श्रीवास्तव द्वारा प्रदर्शित धरोहर छायाचित्र धरोहर संकल्प गैलरी कैडेट्स को भारत की प्राचीन वैभव क दर्शन कराने का प्रयास कर रहे हैं। शिविर में पीआई सीनियर जे. सी. ओ आर के राठी, सूबेदार के पी साहू, सूबेदार पवन दहिया, एएनओ लेफ्टिनेंट चक्षु पांडे, लेफ्टिनेंट अभिषेक कुमार साहनी, थर्ड अफसर विनीत श्रीवास्तव, थर्ड अफसर राजवीर सिंह, एएनओ डॉ संदीप कुमार श्रीवास्तव आदि शिविर को संचालित करने में सहयोग कर रहे हैं।

05 बुधवार 01 मई 2024, गाजियाबाद

जालौन-मिर्जापुर-सोनभद्र-यूपी

एनसीसी वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में कैडेट्स ने फायरिंग में सीखा एक गोली एक दुश्मन का गुण

संस्कार उजाला

महाराजगंज । राष्ट्रीय कैडेट कोर के 102 यू.पी बटालियन द्वारा समेकित विशेष माध्यमिक विद्यालय धनेवा, धनेही महराजगंज में आयोजित संयुक्त प्रशिक्षण शिविर में एनसीसी कैडेट्स ने सटीक निशाना लगाकर एक गोली एक दुश्मन के फॉर्मूले को आत्मसात किया। शिविर में कैम्प कमांडेड कर्नल अखिलेश मिश्रा ने कैडेट्स को सैन्य प्रशिक्षण जीवन से परिचित कराते हुए कहा कि एनसीसी में सैन्य, शस्त्र, और मैप का प्रशिक्षण बहुत ही महत्वपूर्ण है। नेशनल कैडेट कोर भारतीय युवा में राष्ट्रीय आत्मनिर्भरता, सेवा भावना, और सैन्य नौकरियों के प्रति उत्साह को बढ़ाने का काम करता है। इसका मुख्य उद्देश्य छात्रों और छात्राओं में शारीरिक, मानसिक, और आध्यात्मिक विकास को प्रोत्साहित करना है। एनसीसी का प्रमुख लक्ष्य युवा पीढ़ी को सैन्य जीवन के महत्त्वपूर्ण तत्वों की समझ और समर्थन प्रदान करना है, जो उन्हें देश सेवा के क्षेत्र में उनके योगदान को बढ़ाने में मदद कर सकते हैं।एनसीसी में छात्रों को सैन्य तकनीकों, संरचना, और संगठन की जानकारी प्रदान करता है। सैन्य शिक्षा उन्हें युद्ध क्षेत्र में नियमितता, संगठन, और विश्वास को विकसित करने में मदद करती है। इसके अलावा, यह छात्रों को समर्थ बनाता है कि वे आपात स्थितियों में ठीक तरीके से कैसे प्रतिक्रिया करें और सैन्य तैयारी में उनकी क्षमता को बढ़ा सके। कर्नल अखिलेश मिश्रा ने कहा राष्ट्रीय कैडेट कोर अनुशासन, और सामाजिक सेवा के मूल्यों को आत्मसात करने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। एनसीसी राष्ट्र निर्माण में जाति, धर्म,संस्कृति के भाव से ऊपर उठकर एकता और अनुशासन के भाव से एक श्रेष्ठ नागरिक होने का जज्बा जाग्रत करती है । लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह ने कहा की शस्त्र शिक्षा भी एनसीसी का एक अहम हिस्सा है, क्योंकि यह छात्रों को शस्त्रों का सही तरीके से प्रयोग करने की कला सिखाता है। यह उन्हें शस्त्रों के प्रकार, उपयोग, और सुरक्षा के नियमों की समझ दिलाता है, जो उन्हें स्वयं की सुरक्षा और अन्यों की सहायता करने में मदद करता है। इसके अलावा, शस्त्र शिक्षा छात्रों को सशक्त बनाती है और उन्हें स्वतंत्रता का एहसास कराती है कि वे खुद को संरक्षित रख सकते हैं।

मैप रीडिंग और नेविगेशन की जानकारी भी एक महत्वपूर्ण कौशल है जो एनसीसी के माध्यम से सिखाया जाता है। मैप रीडिंग और नेविगेशन का ज्ञान छात्रों को युद्ध क्षेत्र में निर्देशित करने में मदद करता है और उन्हें अनजान या अज्ञात क्षेत्रों में सुरक्षित रहने में सहायक होता है।

शिविर में व्यक्तित्व विकास पर लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह ने कहा की अपनी आत्म क्षमता को पहचानिए आप के शक्ल सूरत मायने नही रखती आप का रचनात्मक और सृजन बौद्धिक कार्य आपको औरों से अलग करता है । शिविर में ग्यारह बटालियन के कैडेटस फायरिंग का प्रशिक्षण कुशल सैन्य अधिकारीयो कैडेट्स को फायरिंग की तकनीकी जानकारी देकर प्रोत्साहित कर रहे हैं। शिविर में कैडेट्स सीनियर अंडर ऑफिसर सागर जायसवाल , अंडर आफिसर अशिका सिंह , सार्जेंट खुशी गुप्ता, सीनियर अंडर ऑफिसर दीपाली यादव , सीनियर अंडर ऑफिसर महिमा चौधरी, साहिल यादव कैंप को संचालित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। शिविर में क्वार्टर गार्ड , वोट फॉर श्योर पर केंद्रित फ्लैग एरिया, हेरिटेज एग्जिबिशन , सांस्कृतिक प्रतियोगिता, टग आफ वार , ट्रेजर हंट, क्विज और वाद विवाद प्रतियोगिता से कैडेट्स सैन्य जीवन से जुड़ने की प्रेरणा ग्रहण कर रहे है । शिविर में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के ए. एन. ओ डॉ . संदीप कुमार श्रीवास्तव द्वारा प्रदर्शित धरोहर छायाचित्र धरोहर संकल्प गैलरी कैडेट्स को भारत की प्राचीन वैभव का दर्शन कराने का प्रयास कर रहे हैं। शिविर में पी.आई - सीनियर जे. सी. यो आर के राठी ,सूबेदार के पी साहू ,सूबेदार पवन दहिया ,ए .एन. ओ लेफ्टिनेंट चक्षु पांडे, लेफ्टिनेंट अभिषेक कुमार साहनी , थर्ड अफसर विनीत श्रीवास्तव,थर्ड अफसर राजवीर सिंह , ए.एन.ओ डॉ.संदीप कुमार श्रीवास्तव आदि शिविर को संचालित करने में सहयोग कर रहे हैं।

प्रशिक्षण शिविर में कैडेट्स उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सैन्य जीवन के लिए मार्ग प्रशस्त करेंगे: ब्रिगेडियर

वोट फॉर श्योर से लोकतंत्र का संकल्पः कर्नल
धरोहर छाया चित्र प्रदर्शनी में कैडेट्स ने धरोहर संरक्षण का संकल्प लिया

महराजगंज (स्पष्ट आवाज)। राष्ट्रीय कैडेट कोर के 102 यूपी बटालियन द्वारा समेकित विशेष माध्यमिक विद्यालय धनेवा-धनेई में आयोजित संयुक्त प्रशिक्षण शिविर में 27 अप्रैल को एनसीसी गोरखपुर ग्रुप हेड क्वार्टर के ब्रिगेडियर दीपेंद्र रावत ने वार्षिक प्रशिक्षण शिविर का औचक निरीक्षण किया। शिविर में ग्यारह बटालियन के प्रतिभाग कर रहो फायरिंग टीम के कैडेटस का फायरिंग प्रशिक्षण देख कर कैडेट्स को फायरिंग की तकनीकी जानकारी देकर प्रोत्साहित किया। तत्पश्चात शिविर में प्रतिभाग कर रहे 600 कैडेटों से रूबरू हुए और एनसीसी के प्रति समर्पण एकता और अनुशासन की पाठशाला में राष्ट्र सेवा के लिए जागरूक किया।

शिविर में एनसीसी निदेशालय नई दिल्ली द्वारा उत्कृष्ट कैडेटों में अनुज राव, अमृता राव, अंकिता वर्मा, सिंपल, प्रमोद, शिवम को एनसीसी छात्रवृति चेक से सम्मानित किया गया। निश्चल राणा और शिवम को बेस्ट कैडेट की श्रेणी में 6 हजार और 45 सौ का चेक प्रदान कर कैडेट्स को प्रोत्साहित किया गया।

शिविर में ग्रुप कमांडर को क्वार्टर गार्ड द्वारा सलामी शस्त्र देकर सम्मान दिया गया। साथ ही वोट फॉर श्योर पर केंद्रित फ्लैग एरिया, हेरिटेज एग्जिबिशन का अवलोकन कर कैडेट्स के रख रखाव, खान पान का निरीक्षण किया गया।

शिविर में ग्रुप कमांडर के साथ कैंप निरीक्षक डिप्टी कमांडर कर्नल विशाल दूबे, कर्नल ए पी पटीवाल, कर्नल अखिलेश मिश्रा, लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह ने शिविर के विभिन्न गतिविधियों, प्रतियोगिताओं का निरीक्षण कर कैडेट्स को सैन्य जीवन से जुड़ने की प्रेरणा दिया। कर्नल अखिलेश मिश्रा ने कहा राष्ट्रीय कैडेट कोर अनुशासन और सामाजिक सेवा के मूल्यों को आत्मसात करने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। एनसीसी राष्ट्र निर्माण में जाति, धर्म, संस्कृति के भाव से ऊपर उठकर एकता और अनुशासन के भाव से एक श्रेष्ठ नागरिक होने का जज्बा जाग्रत करती है। 18वी लोकसभा चुनाव में युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने और जन जन को वोट के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से फ्लैग एरिया को मतदान महादान के विषय पर केंद्रित किया गया है। 3डी मॉडल में बनाए गए भव्य रंगोली में वोट फॉर श्योर की दिव्यता का दर्शन हुआ है। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के एनसीसी एएनओ डॉ संदीप कुमार श्रीवास्तव के कला निर्देशन में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कैडेट्स साक्षी प्रजापति, निकिता गौंड, शिवम सिंह, आदर्श मौर्य, अमृता कन्नौजिया, गौरी कुशवाहा, अस्मिता सिंह, हश्र साहनी के साथ भुनेश्वरी कन्या इंटरमीडिएट कॉलेज के कैडेट्स जानकी गौंड, फरुख हाशमी, तन्नू सिंह, दिव्यांशु, नितेश, पूर्वा और विनीता, रामेश्वर निषाद ने फ्लैग एरिया को पूर्ण करने में सहयोग किया। फ्लैग एरिया को अंडर आफिसर ओशिका सिंह, अस्मिता सिंह और दरक्सा बानो ने अधिकारियों को वोट फॉर श्योर विषय को संपादित किया।

कर्नल अखिलेश मिश्रा के नेतृत्व में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के एएनओ डॉ संदीप कुमार श्रीवास्तव द्वारा धरोहर छायाचित्रों को धरोहर संकल्प गैलरी में प्रदर्शित किया गया है। जहा प्राचीन वास्तु कला की धूप छाव में खींचे गए तस्वीरो से भारत की प्राचीन वैभव का दर्शन देख कर कैडेट्स आह्लादित हो रहे है। एएनओ डॉ संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि धरोहर के संरक्षण और संवर्धन के लिए वर्षों से जन जन को कार्यशाला एवम प्रदर्शनी के माध्यम से जागरूक करने का प्रयास किया जा रहा है जिसके लिए इंडिया बुक आफ रिकॉर्ड्स, एशिया बुक आफ रिकॉर्ड्स, लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स और हाल ही में वर्ल्ड वाइड बुक आफ रिकॉर्ड्स से सम्मानित किया गया है। लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह ने कहा कि सैन्य प्रशिक्षण के साथ कैडेट्स के चतुर्दिक व्यक्तित्व विकास के लिए राष्ट्रीय कैडेट कोर संकल्पित है। प्रशिक्षण शिविर न केवल छात्रों को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाता है बल्कि उन्हें राष्ट्र सेवा संकल्प की प्रेरणा भी देता है।

शिविर में पीआई सीनियर जे सी यो आर के राठी, सूबेदार के पी साहू, सूबेदार पवन दहिया, एएनओ लेफ्टिनेंट चक्षु पांडे, लेफ्टिनेंट अभिषेक कुमार साहनी, थर्ड अफसर विनीत श्रीवास्तव, थर्ड अफसर राजवीर सिंह, एएनओ डॉ संदीप कुमार श्रीवास्तव आदि शिविर को संचालित करने में सहयोग कर रहे हैं।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

आरोग्य धाम, बालापार रोड, सोनबरसा, गोरखपुर उत्तर प्रदेश-273007

प्रकाशक

राष्ट्रीय सेवा योजना

एवं

राष्ट्रीय कैडेट कोर

coordinator.nss@mgug.ac.in, mguniversitygkp@mgug.ac.in www.mgug.ac.in